जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 47 प्रभात चूरू, बुधवार 15 जून, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

पवार ने राष्ट्रपति पद के लिये संयुक्त विपक्ष का उम्मीदवार बनने से क्यों इंकार किया?

व्यवहारिक नेता पवार की हाँ या ना, उनके अपने जीतने की संभावना के मूल्यांकन पर पूर्णतया निर्भर करती है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। आगामी राष्ट्रपति-चुनाव के लिये विपक्ष के सर्वसम्मत उम्मीदवार की तलाश के बीच, पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा नैशनलिस्ट कांग्रेस के अध्यक्ष शरद पवार द्वारा चुनाव मैदान में उतरने के लिये किया गया औपचारिक इनकार, विपक्ष के प्रयासों के लिये एक धक्का है या फिर अंतिम निर्णय से पहले की एक हिचकिचाहट मात्र है। यह प्रश्न इस समय राजनीतिक हल्कों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जो लोग इस घुटे हुये राजनेता को पिछले पाँच दशक से भी अधिक समय से भली भाँति जानते हैं और उन पर सूक्ष्म नजर रखे हुये हैं, उनका कहना है कि उनके इनकारों के बावजूद, किसी आकस्मिक एवं अप्रत्याशित घोषणा को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि पवार जीत की संभावनाओं का पता लगाये बिना कोई भी निर्णय नहीं लेते हैं।

इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी आप राष्ट्रीय राजनीति में पवार के निवास पर उनसे कोशिश की कि वे 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिये विपक्ष के

- **अगर मतदान से पूर्व, चुनाव अभियान के अंतिम क्षणों में भी पवार अश्वस्त हो गये कि, वे विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में जीत सकते हैं तो, अपनी ना को बिना हिचकिचाहट के हाँ में तब्दील कर सकते हैं और विपक्ष के उम्मीदवार बन सकते हैं।**
- **बहरहाल, फिलहाल पवार दिल्ली में विपक्ष के नेताओं से राष्ट्रपति चुनाव के बारे में बातचीत कर रहे हैं तथा इन नेताओं के मन की टोह ले रहे हैं। मंगलवार को इस संदर्भ में ममता बनर्जी, पवार से मुलाकात करने उनके घर गयीं।**
- **2021 में जब प्रशांत किशोर, शरद पवार से मिले थे तथा उन्होंने पवार को संयुक्त विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने का प्रस्ताव दिया था, तब पवार ने जवाब दिया था कि, जब एक पार्टी (भाजपा) के ही 300 से अधिक सांसद हैं, तो मैं नहीं समझता कि, विपक्ष के उम्मीदवार की राष्ट्रपति बनने की संभावना है। मैं विपक्ष का उम्मीदवार नहीं बनूंगा।**

मिलीं। बताया जाता है कि उन्होंने पवार को यह समझाने और आश्वस्त करने की कोशिश की कि वे 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिये विपक्ष के सामूहिक उम्मीदवार होंगे।

एक नेता ने कहा कि राजनीति का यह मराठा योद्धा इस समय विभिन्न दलों के नेताओं के साथ मीटिंगों में लगा हुआ है तथा उनके अपने-अपने नजरिये से किये जा रहे आँकलनों को ध्यान से सुन रहा है जिससे सभी संभावित परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुये किसी निर्णय पर पहुँचा जा सके। इस नेता ने कहा कि अगर उनके जीतने की संभावनाएं युक्तिसंगत रूप से आश्वस्तिपूर्ण होंगी, केवल तभी वे अपने इनकार पर पुनर्विचार करेंगे अन्यथा अपनी "नहीं" पर अड़े रहेंगे।

जून 2021 में, जब चुनाव-रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने पवार से भेंट की थी तो इस मीटिंग से ये अटकलें शुरू हो गई थीं कि प्रशांत किशोर इस 81-वर्षीय मराठा दिग्गज को देश के राष्ट्रपति के रूप में देखने की कोशिशों की खातिर लामबंदी कर रहे हैं।

पवार, जो व्यावहारिक एवं परिणामवादी राजनीति के गंभीर साधक एवं उस पर आचरण करने वाले हैं, ने तत्काल इन अटकलों को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि "जब एक अकेली पार्टी (सत्तारूढ़ भाजपा) के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बलात्कार

अजमेर, 14 जून (कासं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती 23 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। खास बात यह रही कि बलात्कार हॉस्पिटल में काम करने वाले नर्सिंगकर्मी ने किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने पीड़िता के साथ आए उसके भाई को फिल्म देखने के लिए भेज दिया। फिर युवती को ड्रिप

- **अजमेर के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में भर्ती 23 वर्षीय युवती के साथ एक नर्सिंग कर्मी द्वारा बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है।**

लगाकर बेहोश कर रेप किया।

पुलिस के मुताबिक एक थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला सोमवार सुबह 11 बजे अपने मौसी के लड़के के साथ उपचार के लिए अस्पताल गई थी। अस्पताल में युवती की मुलाकात उसके पूर्व परिचित नर्सिंगकर्मी राजेश से हुई।

उसने युवती के उपचार के जिम्मेदारी ली। पीड़िता के अनुसार नर्सिंग कर्मी ने आपातकालीन इकाई में भर्ती करने के बाद उसको ड्रिप लगा दी और उसे नशीली दवा दे दी। आरोप है कि बाद में आरोपी ने बेहोशी की हालत में उसके साथ बलात्कार किया। वहीं मामले को लेकर पीड़िता के परिजनों ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया है।

सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के पूर्व जजों ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखा

पत्र में इन न्यायविदों ने लिखा है कि, सुप्रीम कोर्ट को स्वयमेव ही, यू.पी. में "हिंसक प्रदर्शनकारियों" के मकान पर बुलडोज़र चलाने की कार्यवाही पर रोक लगवानी चाहिये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। भाजपा प्रवक्ताओं द्वारा पैगम्बर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणियां किए जाने के खिलाफ उत्तर प्रदेश में मुस्लिमों के विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस हिरासत में बंद आंदोलनकारियों पर कथित पुलिस हिंसा और उनके घरों पर बुलडोज़र चलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट के पूर्व जजों तथा सीनियर वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सी.जे.आई.) तो पत्र लिखकर उन्हें इस मामले में स्व प्रेरित प्रसंज्ञान लेने को कहा है।

सी.जे.आई. एन.वी. रमना को दी गई पत्र याचिका में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के राज्य प्रशासन ने शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों को अपनी बात कहने का अवसर देने के बजाए उनके खिलाफ हिंसा की अनुमति दी।

पत्र याचिका पर हस्ताक्षर करने वाले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जजों में बी. सुदर्शन रेड्डी, वी. गोपाल गौडा, ए.के. गांगुली, दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस ए.पी. शाह, मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस के. चन्द्रू, कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस मोहम्मद अनवर और सीनियर एडवोकेट्स शांति भूषण (पूर्व केन्द्रीय विधि मंत्री), इंदिरा जय सिंह, चन्द्र उदय सिंह, श्रीराम पांचू, आनंद ग्रोवर और एडवोकेट प्रशांत भूषण शामिल हैं।

एक सम्बद्ध घटनाक्रम में जमीअत

- **साथ ही जमीअत उलमा-ए-हिन्द ने भी सुप्रीम कोर्ट को एक खत के मार्फत याचिका दर्ज करा कर कहा है कि, सुप्रीम कोर्ट को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिये कि, कानून की पूरी प्रक्रिया का पालन किए बगैर भविष्य में विध्वंसात्मक कार्यवाही ना हो।**

उलेमा-ए-हिन्द ने यह सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को कोर्ट की शरण ली कि उत्तर प्रदेश में नियत प्रक्रिया का अनुसरण किए बिना अब आगे और विध्वंस कार्रवाई ना की जाए।

पत्र आवेदन में कहा गया है कि "बताया जाता है कि मुख्यमंत्री ने अधिकृत रूप से अपने अधिकारियों को प्रोत्साहित किया कि वे अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही करें, जिससे ऐसे दृष्टान्त कायम हो जाये कि कोई ऐसे अपराध न करे तथा भविष्य में कानून अपने हाथ में नहीं ले। उन्होंने निर्देश दिये कि नैशनल सिक्योरिटी एक्ट, 1980 तथा यू.पी. गैंगस्टर्स एण्ड एंटी सोशल एक्टिविटीज (प्रीवैन्शन) एक्ट 1086 गैर कानूनी विरोध करने के अपराधी पाये जाने वाले लोगों पर लागू किये जायें। इन टिप्पणियों से प्रेरित होकर पुलिस ने आंदोलनकारियों के प्रति जघन्य तथा गैर कानूनी यातनाएं देने का दुस्साहस दिखाया।"

पत्र-याचिका में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने 300 से अधिक लोग गिरफ्तार किये है तथा उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की हैं। इसमें उन विभिन्न विडियोज़ का भी हवाला दिया गया, जिनमें नौजवान पुलिस हिरासत में लाठियों से पिटते दिखाई दे रहे हैं, आंदोलनकारियों के मकान बिना नोटिस दिये ध्वस्त किये जा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बालिका के साथ दुष्कर्म

देवली, 14 जून (निसं)। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में 8 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म का मामला पुलिस थाने में दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि उक्त प्रकरण में पीड़िता तथा आरोपी दोनों ही नाबालिग हैं। पुलिस पीड़िता का मैडिकल बोर्ड से मैडिकल भी करवा रही है। थाना प्रभारी जगदीश

- **देवली के एक गांव में 8 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया है। आरोपी भी नाबालिग (17 वर्ष) है।**

प्रसाद ने बताया कि पीड़िता 8 वर्षीय है जबकि दुष्कर्म का आरोपी 17 वर्षीय है। इस मामले को लेकर पीड़िता के माता-पिता मंगलवार को स्थानीय थाने पहुंचे। पुलिस के अनुसार उक्त घटना 5 जून की बताई जा रही है।

पीड़िता के माता-पिता ने बताया कि आरोपी किशोर पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपने साथ खेत में ले गया, जहां उसने दुष्कर्म किया। इधर दुष्कर्म की घटना के बाद पुलिस हरकत में आई

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विपक्ष के खेमे में एकता से ज्यादा मतभेद नज़र आ रहे हैं

मतभेद का एक बड़ा कारण है, अचानक ममता बनर्जी द्वारा विपक्ष के 22 वरिष्ठ नेताओं की बैठक आहूत करना, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के बारे में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। ममता बनर्जी की एकल कोशिश, जिसके अन्तर्गत उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिये विपक्ष के सर्वसम्मत उम्मीदवार के बारे में निर्णय लेने के लिये, 22 नेता एवं मुख्यमंत्री आमंत्रित किये हैं, अपनी भँवें पहले ही तरेर चुकी हैं। मुख्यमंत्रियों तथा नेताओं को एकाएक लिखे गये इस पत्र से विपक्ष की एकता के बजाय, एक दरार सी पैदा होती दिखाई दी है।

दो वामपंथी नेता- सीताराम येचुरी तथा डी. राजा मीटिंग में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस एकल प्रयास से विपक्ष के सभी प्रमुख नेता विस्मित हैं। जहाँ तक ज़मीनी स्तर की बात है, वामपंथी दल ममता बनर्जी तथा बंगाल में अपनाये जा रहे बाहुबल-आधारित तौर तरीकों के धुर विरोध में हैं।

दूसरी तरफ, उन पर ऐसे आरोप भी

- **मार्क्सवादी पार्टी के सीताराम येचुरी व सी.पी.आई. के ए. राजा ने बैठक में उपस्थित होने में असमर्थता जतायी है।**
- **इन दोनों नेताओं का कहना है, जब सोनिया गांधी, कांग्रेस पार्टी व उनके पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से इस मुद्दे पर लगातार सम्पर्क में है, तो ममता बनर्जी द्वारा अचानक विपक्ष की बैठक बुलाना व इस मुद्दे पर बातचीत शुरू करने का क्या मतलब है, समझ में नहीं आता।**

हैं कि वे अन्य दलों से आगे बढ़ने के लिये, साम्प्रदायिक राजनीति का सहारा ले रही हैं। उनका कहना है कि जब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी वामपंथी दलों के शीर्ष नेताओं के साथ इस संबंध में बात कर ही रही थीं, उसी समय ममता अपनी तरफ से लिखे गये इस पत्र को लेकर एकाएक बीच में कूद पड़ीं। वामपंथी दलों का मूल सोच यह है कि

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दूसरे दिन भी ई.डी. द्वारा राहुल गांधी से पूछताछ जारी रही

कई वरिष्ठ पार्टी के नेता, जो राहुल के साथ, "सत्याग्रह" के लिए ई.डी. के मुख्यालय जा रहे थे, रास्ते में पुलिस द्वारा रोक कर, दिल्ली के विभिन्न थानों में भेजे गये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की खरीद में काले धन को कथित रूप से वैध बनाने को लेकर एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन पूछताछ की। ई.डी. के तीन सीनियर अधिकारियों ने उससे विभाग के मुख्यालय में पूछताछ की। एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड एक कम्पनी है जिसे जवाहर लाल नेहरू ने नैशनल हैरल्ड और उसके सहायक हिन्दी व उर्दू प्रकाशनों को प्रकाशित करने के लिए

- **प्रियंका गांधी भी राहुल गांधी के साथ ई.डी. कार्यालय जा रही थीं, उनको भी पुलिस ने रोका, पर फिर छोड़ दिया, क्योंकि उन्हें केन्द्रीय सुरक्षा कवच प्रदत्त है।**
- **चिदंबरम, जो प्रदर्शन स्थल पर मौजूद थे, ने कहा कि, ई.डी. द्वारा की जा रही पूछताछ की कार्यवाही गैर कानूनी है, क्योंकि अभी राहुल गांधी या सोनिया गांधी के खिलाफ कोई एफ.आई.आर. दर्ज नहीं हुई और न ही कोई मुकदमा दायर हुआ है।**
- **ई.डी. सूत्रों का प्रत्युत्तर में कहना है कि, चिदंबरम गलत कह रहे हैं, क्योंकि पी.एम.एल.ए. कानून के तहत दोनों के खिलाफ दिसंबर 2015 में मुकदमा दर्ज हुआ था तथा दोनों ने 50,000 रूपये का बॉण्ड भर कर जमानत ली है।**

शुरू किया था।

सोमवार की भांति राहुल को दो घंटे की पूछताछ के बाद लंच ब्रेक दिया गया। ई.डी. ऑफिस की सशस्त्र अर्द्धसैन्य बलों ने जबरर्दस्त बैरिकेडिंग की हुई है और यहां से आने-जाने वाली प्रत्येक कार को पुलिस चैक कर रही है ताकि "सत्याग्रह" के लिए यहां पहुंचने की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

ख्याति की अभिलाषा वह पोषक है जिसे ज्ञानी भी सबसे अंत में उतारते हैं। –कहावत

मुश्किल समय में शिक्षकों के समक्ष चुनौती

शिक्षकों के लिए वर्तमान समय से अधिक चुनौतीपूर्ण समय कभी नहीं रहा। यह वह समय है जब शिक्षकों से न केवल अपने छात्रों की पढ़ाई-लिखाई, बल्कि अपने छात्रों की सामाजिक और भावनात्मक जरूरतों की देखभाल करने की भी अपेक्षा की जाती है। कोविड महामारी ने सभी को प्रभावित और चिंतित किया है। इसके प्रभाव से शिक्षक भी अछूते नहीं रहे। ऐसे अशांत समय में अब शिक्षकों पर यह दायित्व आन पड़ा है कि स्कूलों से दूर रहने से विद्यार्थियों की पढ़ाई में जो कमी रह गई उसे कैसे पूरा किया जाय। यहां उन सक्षम परिवारों की बात नहीं है जिनके बच्चे ऑनलाइन या अन्य विधियों से अपनी पढ़ाई काफी हद तक जारी रख पाये बल्कि उन बहुसंख्यक परिवारों के बारे में है जिनके बच्चे स्कूली पढ़ाई से बिल्कुल कटे रहे। अनेक अध्ययन बताते हैं कि ऐसा गावों में रहने वाले बच्चों तथा लड़कियों के साथ ही नहीं हुआ बल्कि शहरों में भी गरीबों के साथ हुआ। उनकी पढ़ाई की भरपाई करने के लिए क्या हमारे शिक्षकों में जज्बा है? क्या वे अपने छात्रों के लिए पर्याप्त कर पा रहे हैं? यहां यह सवाल सबसे पहले उठ खड़ा होता है कि नये सत्रों में पीछे रह गये विद्यार्थियों की वास्तव में आवश्यकता क्या है और वह कौन सी विधि है जिससे विद्यार्थियों के खोए हुए समय की पढ़ाई की पूर्ति हो सके। सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा के क्षेत्र में हुए अनेक शोधों ने बताया है कि जब छात्रों को महसूसस होता है कि उनका शिक्षक उनका मददगार है तो उनका उसके साथ घनिष्ट संबंध बनता और वे स्कूल में आनंद और सफलता का अनुभव करते हैं। नई परिस्थितियों में शिक्षक और छात्र के बीच ऐसे संबंधों की सबसे अधिक जरूरत है। ऐसा प्राइमरी कक्षाओं के छात्रों के लिए ही सच नहीं है बल्कि, मिडिल और हाई स्कूल के छात्रों के साथ भी ऐसा ही है। ऐसा सभी मानते हैं कि जब छात्र ठीक से देखभाल करने वाले और मददगार शिक्षकों के संपर्क में होते हैं तो वे अधिक सकारात्मक परिणाम दिखाते हैं।

अब यह सवाल स्वाभाविक ही उठता है कि विद्यार्थियों की देखभाल करने वाला तथा मददगार शिक्षक होने का क्या अर्थ है? इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिये दुनिया भर में अनेक अध्ययन और विमर्श हुए हैं। फिर भी इस बारे में कम ही जानकारी रही है कि छात्रों की परवाह और देखभाल करने वाले शिक्षक होने का वास्तव में क्या अर्थ है? सबसे बढ़ कर यह भी कि इस बारे में छात्र स्वयं क्या सोचते हैं? हाल ही में 'जर्नल ऑफ ऐडोलेसन्ट रिसर्च' में छपे एक पेपर के अध्ययनकर्ता सीधे विद्यार्थियों के पास यह पूछने के लिए गए कि उनकी राय में एक परवाह करने वाला, देखभाल करने वाला शिक्षक कैसे होते हैं? विद्यार्थियों ने उन्हें बताया कि सबसे प्रामाणिक, पूरे मन से काम करने वाले वाले शिक्षक शांत, स्पष्ट और सहृदयहोते हैं।

शांत रहना एक शिक्षक की ऐसी क्षमता को दर्शाता है जो शिक्षण में निहित चुनौतियों का सामना करने के लिए सचेष्ट रहने और अपने स्वयं के तनाव को नियंत्रित करने की क्षमता रखता है। ऐसे शिक्षक स्वयं की भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं। यदि शिक्षक खुद शांतधैर्यवान होंगे तो उनकी कक्षा में छात्रों के बीच भी शांत वातावरण बना रहेगा। एक अच्छा शिक्षक प्रेममय होता है जो छात्रों पर चिल्लाता नहीं उसका व्यवहार शांतहोता है। छात्रों को क्या करना है उसे बताने की उसे हड़बड़ी नहीं होती और वह कक्षा में सीखने का एक शांत वातावरण बनाता है। किसी विद्यार्थी को जब कोई चीज नहीं आती तब वह उस पर झल्लाता नहीं बल्कि उसे प्रेम से उसे उसकी बेचैनी से बाहर लाता है और प्रेरित करता है। मन से स्पष्ट शिक्षक में यह क्षमता होती है कि वह एक तरफ तो अपने छात्रों के साथ उपस्थित रहता है और दूसरी तरफ वह छात्रों की जरूरतों के अनुरूप खुद भी जिज्ञासु बना रहता है। ऐसा शिक्षक अपने छात्रों के साथ स्पष्ट, लोकतांत्रिक संवाद करता है, उन्हें सुनता है। कक्षा में शिक्षक का स्पष्ट होना बहुत जरूरी है। उसकी स्पष्टता उसके अपने विषय के ज्ञान पर भी निर्भर करती है। जिस विषय को शिक्षक पढ़ाता है उसके बारे में यदि उसे ही कहीं कठिनाई है तो वह उसके छात्रों के साथ व्यवहार में जरूर झलकेगी। सहृदय होना किसी भी शिक्षक के व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। ऐसा शिक्षक कक्ष में कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाता। उसका विद्यार्थियों से व्यवहार गर्मजोशी का होता है और वह उनसे ऐसे संबंध बनाता है जिनमें एक दूसरे के प्रति विश्वास और सम्मान होता है और वह छात्रों की जरूरतों के समय उनके साथ मौजूद होता है।शिक्षक में करूणा और सहानुभूति का भाव उसके कौशल का महत्वपूर्ण अंग होता है। वह छात्रों की भावनाओं को समझता है और जब भी वह किसी छात्र को परेशान पाता है तो उसे धैर्य बंधाने हमेशा तत्पर रहता हैं।

शिक्षा मनोविज्ञानी कहते हैं कि शिक्षकों का छात्रों के प्रति शांत, स्पष्ट और सहृदय होना खुद उनकी अपनी भलाई का भी सबब बनता है। कक्षा में ये सावधानियां शिक्षकों के लिए खुद उनके निजी जीवन में भी लाभदायक बनती हैं। सहृदयता और लचीलापन शिक्षकों को जीवन में सफलता की कुंजी भी देते हैं।

लेकिन हम जानते हैं कि किसी के लिए हर पल शांत, स्पष्ट और सहृदय होना हमेशा आसान नहीं होता है। खासकर तब जब कोई खुद तनाव में हो या व्यस्तता में हों। इसलिए शिक्षा मनोविज्ञानी कहते हैं कि शिक्षकों का छात्रों के प्रति शांत, स्पष्ट और सहृदय होना खुद उनकी अपनी भलाई का भी सबब बनता है। कक्षा में ये सावधानियां शिक्षकों के लिए खुद उनके निजी जीवन में भी लाभदायक बनती हैं। सहृदयता और लचीलापन शिक्षकों को जीवन में सफलता की कुंजी भी देते हैं। आत्म-जागरूकता और किसी फैसले पर कूद कर न पहुंचना ऐसे कौशल हैं जो किसी को अच्छा शिक्षक ही नहीं बनाते बल्कि एक अच्छा इन्सान भी बनाते हैं। कोई शिक्षक जब किसी भी छात्र के बारे में अंतिम फैसला न लेने का व्यवहार साध लेता है तब वह अपने खुद के जीवन में भी अनोखी शांति अनुभव करता है। तनाव मुक्त रहना शिक्षक को अपने को स्वस्थ रखने का मंत्र बन जाता है। एक अध्ययन में सामने आया है कि अमरीका और कनाडा में वे स्कूली शिक्षक जिन्होंने माइंडफुलनेस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, उन्होंने कक्षा और घर दोनों जगह मूड, अच्छी नींद और संतुष्टि में सुधार का अनुभव किया।इन तीन कौशल वाले शिक्षकों में काम का तनाव, ईर्ष्या, अवसाद और चिंता तो कम होते ही हैं वे अपने छात्रों के साथ अधिक भावनात्मक स्तर पर संवाद भी आसानी से कर सकते हैं। कहा जा सकता है कि छात्र अपने शिक्षकों से जो अपेक्षा रखते हैं वह वास्तव में शिक्षकों की खुद अपनी जरूरत भी होती है। अच्छा शिक्षक छात्रों को सवाल पूछने के लिये प्रोत्साहित करता है तो छात्रों के सवालों से शिक्षक भी बहुत कुछ सीखता है।शिक्षक की असली शक्ति इसमें है कि वह अपने छात्रों को कितना समझ पाता है। छात्रों को शिक्षण की जटिल रणनीति अथवा शिक्षक के अकादमिक कौशल से मतलब नहीं होता। वे अपनी साधारण भाषा में शिक्षक से ज्ञान चाहते हैं। वे कक्षा प्रेम और उमंग का माहौल रचने वाले ऐसे शिक्षक को पसंद करते हैं जो उन्हें समझता हो, उनकी आवश्यकताओं को समझता हो। ऐसा बनने के लिए शिक्षक को पहले खुद अपने पर ध्यान देना होगा। तभी वह अपने काम में अधिक सचेत होगा और छात्रों के साथ मित्रवत होगा। शिक्षक का अपने आप को पहचानना और बदलना शिक्षण प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा ही नहीं होना चाहिए बल्कि उनकी सतत शिक्षा का भी महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। तभी पढ़ाई की एक नई संस्कृति हम रच पाएंगे। ऐसी संस्कृति पुरातन भारत में गुरुकुलों के रूप में थी जहां गुरु और शिष्य का मीठा बंधन था जिसमें शिक्षण के वे सभी तत्व थी जिन्हें आज के समय में अकादमिक तरीकों से नवाचार के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। हमारे शिक्षक ऐसा कर पायें तो कोविड महामारी के दौरान पढ़ाई में पीछे छूट गये छात्रों की जरूर मदद हो सकेगी। लेकिन क्या हमारी स्कूलों के शिक्षकों में ऐसा बनने की आकांक्षा है, यह बड़ा सवाल है।

यह भी सच है कि शिक्षकों के चयन के दौरान उनकी विशेषज्ञता के जिस पक्ष पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है वह यह है कि क्या उनमें मन लगाकर पढ़ाने और अपनी पूर्णता के साथ कक्षा में उपस्थित होने का उनमें कौशल है? क्या वह 'शरीर में शांत, मन में स्पष्ट, और सहृदय' हैं? शांत, स्पष्ट और सहृदय होना जिन शिक्षकों की फितरत में होता है वे सहज शिक्षक होते हैं। परंतु शिक्षण के पेशे में आने वाले सभी के बारे में तो ऐसा नहीं कहा जा सकता। शिक्षण एक रोजगार बन गया है और अनेकों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करके एक नौकरी पा जाना ही शिक्षक हो जाना हो गया है। ऐसे अभ्यर्थी भी लिखित परीक्षा पास करके चयनित हो जाते हैं जिनमें तुनकमिजाजी, उतावलापन और झट से क्रोध आ जाना उनके व्यक्तिवा का हिस्सा होता है जो उनके पालन पोषण और जीवन के शुरुआती वर्षों के जिस माहौल में उनका विकास हुआ उसके कारण होता है। यदि वे अपनी इन समस्याओं को समझ पायें और अपना एक अच्छे शिक्षक में रूपांतरण कर पायें तो वह न केवल उनके विद्यार्थियों के लिए ही लाभदायक सिद्ध होगा बल्कि खुद उनके विकास में मददगार होगा। शिक्षकों का यह कौशल न केवल छात्रों की मदद कर सकता हैं, बल्कि इस कठिन समय में खुद उनकी सलामती और बेहतरी में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ट संपादक एवं विश्लेषक)

भारत के अधिकांश विश्वविद्यालय क्या अब विश्वविद्यालय कहलाने लायक हैं?

उच्चतम शिक्षा के केंद्र भारत में विश्वविद्यालय कहे जाते हैं जो अंग्रेजी के शब्द यूनिवर्सिटी का हिंदी पर्याय है। शाब्दिक अर्थों में विश्वविद्यालय का स्वरूप विश्व स्तर का होना आवश्यक है अर्थात अंग्रेजी में यूनिवर्सल नेचर। क्या हमारे विश्वविद्यालय यूनिवर्सल नेचर के हैं ? उच्चतम कक्षाओं में निरीह छात्रों को किन्ही अवस्थाओं में लाचारी दिखाई देती है।

शिक्षा में तत्वज्ञान अथवा दार्शनिक ज्ञान की कमी से विद्यार्थियों में जिज्ञासा नहीं पनपती और वे अधकचरा ज्ञान लेकर चले जाते हैं फलस्वरूप वे समाज में कोई सार्थक उपयोगी कार्य करने में असक्षम ही रहते हैं। सर्वप्रथम उन्हें यही पता नहीं होता कि वे अमुक शिक्षा संस्थान में क्यों आये हैं और वहां अमुक विषय पढ़ने का क्या उद्देश्य है? ऐसी उद्देश्यहीन शिक्षा लेने से क्या तात्पर्य, और भविष्य में उससे क्या हासिल होगा ? छात्र को पता नहीं। छात्रों के प्रवेश और वांछित विषय पढ़ने में अनेक कठिनाइयां हैं किसी विषय में प्रवेश के लिए सीटों की निर्धारित संख्या होती है जिसमें लगभग आधी अनेक प्रकार के रिजर्वेशन या आरक्षण से भर ली जाती हैं शेष पर सामान्य छात्र प्रवेश मेरिट के आधार पर पाते हैं फिर भी अनेक पढ़ाई के इच्छुक छत्र प्रवेश से वंचित रह जाते हैं उनमे से धनी व संपन्न दूसरे देशों की रह लेते हैं।

पुस्तकालय और प्रयोगशालाएं स्नातक व् अधिस्नातक व् शोध छात्रों के लिए आवश्यक सुविधाओं में गिने जाते हैं प्रोफेशनल और तकनीकी विषयों में अनेक आयाम ऐसे होते हैं जिनमें प्रयोगात्मक परीक्षण और विश्लेषण करने होते हैं। पुस्तकालय में अनेक पुस्तकें व प्रकाशन मंगवाए जाते हैं ताकि छात्र व अध्यापक उन्हें समय-समय पर देखते रहें और पढ़कर अपने को अपडेट करते रहें। पुस्तकालय में जाकर पढ़ने का रिवाज़ अब समाप्त प्रायः है, पूर्व में अधिस्नातक व् शोध छात्रों को पुस्तकालय में केबिन अलॉट हुआ करती थी। हाल में प्रकाशित पुस्तकें और जर्नल्स एक रिवोल्विंग रैक पर एक माह तक रखी जाती थी ताकि सभी उनसे अवगत हो जायें, अब ऐसा कुछ नहीं है। पहले टीचर छात्रों को किसी टॉपिक पर असाइनमेंट देते थे जिसे पूरा करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग जरूरी होता था। अब यदा-कदा कतिपय टीचर ही छात्रों को स्वयं लिखने के लिए कोई कार्य देते हैं।

लैबोरेट्रीज का जहां तक प्रश्न है सरकारी महाविद्यालयों में प्रयोगशालाएं भी हैं और वे वांछित उपकरणों से सुसज्जित भी हैं लेकिन विद्यमान उपकरणों का उपयोग नहीं के बराबर है क्योंकि पूर्णकालिक टीचर्स ही नहीं है। पीरियड आधार पर सेवानिवृत लोगों को आमंत्रित कर सैद्धांतिक विषय पढ़वा लिए जाते है। प्रयोशाला कार्य के लिए बहुधा तकनीशियन न होने से लेबोरेटरी कौन तैयार करे? प्राइवेट विश्वविद्यालयों की स्तिथि बदतर है, प्रैक्टिकल के नाम पर कुछ नहीं। आशय यह है कि जहां पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं की एक तो उचित उपलब्धता नहीं है और जहां है वहां भरपूर उपयोग में नहीं लिए जाते। ऐसे संसथान क्या यूनिवर्सिटी कहलाने लायक हैं ? इससे छात्रों में कूप मण्डूकता प्रवृति पनप जाती है और वे कहीं पर भी वांछित व गुणवत्ता पूर्ण सेवा नहीं दे पाते।

ऐसी उद्देश्यहीन शिक्षा लेने से क्या तात्पर्य, और भविष्य में उससे क्या हासिल होगा? साझेदारी पढ़ाई पद्धति से छात्र सदैव सजग रहता है और उसकी सीखने की प्रवृति भी अन्य की अपेक्षा अधिक होती है। मैंने अपनी शिक्षा के दौरान अनुभव किया कि अध्यापकों में कतिपय ही छात्रों को लेक्चर के दौरान बोलने के लिए प्रोत्साहित करते थे। अधिस्नातक की पढ़ाई के समय वर्ष ने दो बार किसी वांछित विषय पर सेमिनार देनी पड़ती थी। पूरा शीर्षक लाइब्रेरी में जाकर तैयार करना होता और उसके सभी रिफरेन्स नोट करने पड़ते जिन्हे सेमीनार के टॉपिक को साइक्लोस्टाइल करा अंत में उन्हें भी लिखना पड़ता। सेमीनार के दिन प्रीवियस फाइनल के सभी छात्र, विभाग के सभी अध्यापक, रिसर्च स्कॉलर्स उस सेमीनार में उपस्थित होते। छात्र को पहली बार एक समूह के समक्ष बोलना घबड़ाहट पैदा करता, इस डर को ही मिटाने के लिए सेमीनार का एक उद्देश्य होता। अपना विषय प्रस्तुत करने के उपरांत फिर सेमीनार में उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का जवाब भी देना पड़ता। सेमीनार का मूल्यांकन भी तीन अध्यापक करते जिनमे एक विभागाध्यक्ष होता। क्या विश्व स्तर के महाविद्यालयों और विश्व विद्यालयों में ऐसे शिक्षा वांछित नहीं है? अवश्य है।

डॉ. (प्रो.) वीर बहादुर सिंह

भारत के लगभग सभी विश्व विद्यालयों में पाठ्यक्रम निश्चित होता है और उसके भी भाग कर कई सेगमेंट में बांट दिया जाता है। प्रश्न पत्र निर्माता जो अधिकांशतः किसी अन्य संस्थान से होते है उन्हें आवश्यक रूप से प्रत्येक खंड से प्रश्न चुनना पड़ता है। विदेशी विश्वविद्यालओं में पाठ्यक्रम बहुत सूक्ष्म दिया जाता है, इसलिए वहां पढ़ने के लिए अध्यापक को एक वृहत क्षेत्र मिलता है। वह पाठ्यक्रम से बाहर की विषय वस्तु भी पढ़ा देता है यदि उसके विचार से वह छात्र को जानना आवश्यक हो, ऐसी स्वतंत्रता भारत के महाविद्यालय/विश्वविद्यालयों में अभी तक नहीं पनपी।

अधिस्नातक अथवा स्नातक शिक्षा के अध्यापकों को निरंतर अपनी पढ़ने की विषय सामग्री सतत नए ज्ञान से पुष्ट करनी पड़ती है। भारत में एक बार विषय के नोट्स बना लिए फिर वर्षों तक उनमे कोई परिवर्तन नहीं होता। एक घटना पाठकों को बताने की इच्छा हो रही है.... डेरी के एक टीचर अपने महाविद्यालय में डेरी विषय पढ़ाया करते थे उनके नोट्स काफी पुराने थे, कागज़ भी उनका मटमैला और ब्रिटल हो गया था। एक छात्र ने उनसे एक दिन कहा– 'गुरू जी आपके नोट्स बहुत पुराने हो गए हैं, नए बना लीजिए। गुरु जी का उत्तर सुनकर छात्र स्तब्ध रह गया उन्होंने कहा कि– 'दूध का रंग पहले भी सफ़ेद था और आज भी वैसा ही है, फिर डेरी के नोट्स पुराने कैसे?' यह है हमारे देश की स्नातक शिक्षा का स्तर। टीचर का उत्तर अपेक्षित नहीं था क्योंकि विज्ञान और तकनीकी ज्ञान में वृद्धि से प्रत्येक विषय के पाठ्यक्रम में नित नयी वृद्धि हो रही है।

अब बात करते हैं शिक्षा प्रदाता अध्यापकों की या कहें विषय विशेषज्ञों की इस पक्ष पर सिवाय निराशाजनक स्तिथि के और कुछ भी नहीं लिखने को। अधिकांश विश्वविद्यालयों में विषय वार अध्यापकों की संख्या नहीं है, उस पर विषय विशेषज्ञों तो हैं ही नहीं। एक ही अध्यापक एक से तीन विषय तक पढ़ाता है, क्या कोई किसी मुख्य विषय के तीन आयामों में पढ़ाने के लिए पारंगत हो सकता है? नहीं, लेकिन ऐसा ही हो रहा है। प्राइवेट विश्वविद्यालयों में और राजकीय विश्वविद्यालयों में इस बावत कोई विशेष अंतर नहीं है।

भारत में राजकीय और प्राइवेट दोनों विश्वविद्यालयों के स्टैण्डर्ड मूल्यांकन के लिए भारत सरकार के स्तर पर एक्रीडिटेशन समितियां हैं लेकिन ऐसा लगता है कि इन समितिओं के सदस्य भी अपना कार्य निष्पक्षता और कुशलता से नहीं करते जिससे उच्चतम शिक्षा के स्तर में निरन्तर गिरावट के लिए वे भी कुछ सीमा तक जिम्मेदार हैं।

परीक्षा और मूल्यांकन की व्यवस्था भी बड़ी लचर और दोषपूर्ण है। प्रश्न पत्र निर्माता और उत्तर पुस्तिकाए जांचने वाले भी सही ढंग से नहीं चुने जाते, फलस्वरूप प्रश्न पत्र निर्माण असंतुलित और आंकलन फौरी तौर पर कर दिया जाता है। ऐसे में बहुधा शिक्षार्थी को न्याय नहीं मिल पाता, मंथली टेस्ट का प्रोविशन कतिपय महाविद्यालय ही करते हैं क्योंकि यह मेहनत का काम है जिससे सब बचना चाहते हैं।

विश्वविद्यालय की स्थापना वोट बैंक को ध्यान में रख कर की जाती है आवश्यकता देखकर नहीं। जगह-जगह नित नए विश्वविद्यालय खोले जा रहे हैं। राजस्थान में दूसरे कृषि विश्वविद्यालय की भौगोलिक आवश्यकता होते हुए भी उदयपुर में स्थापित करने पर सरकार ने खूब कलाबाजियां की तदुपरांत जोधपुर, जोबनेर और कोटा में कृषि विश्वविद्यालय खोलने में कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गयी। समझ नहीं आता कि इन अनावश्यक संस्थानों के लिए धन क्यों व्यय किया जाता है? भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन, ए.आई.सी.टी. आदि केंद्रीय संस्थान ऐसी स्थापनाओं को सुद्रण करने वास्ते धन क्यों मुहैया कराते? अच्छा होता इनकी जगह एक केंद्रीय कृषि विश्व विद्यालय केंद्र सरकार स्थापित करती। राज्य ऐसा करके अपना स्थापना व्यय बढ़ा लेते है और फिर बजट की कमी का रोना शुरू कर देती हैं। और जिन्हे स्वंय स्थापित किया उनको जर्जर कर फिर अन्य कही और एक यूनिट चालू कर देगी। यह नाटक सदैव चलता रहता है, जिसके कारण उच्च शिक्षा का अधोपतन हुआ है।

देशी और विदेशी छात्रों का आदान-प्रदान भी आपस में नहीं होता, अध्यापकों को भी कभी विदेशी यूनिवर्सिटी में अनुभव अर्जित के लिए नहीं भेजा जाता.....फिर यह कैसे विश्वविद्यालय हैं? कोई बताये की इनका विश्व स्वरुप कहां है? विश्वविद्यालयी शिक्षा में भाषा एक और महत्वपूर्ण पक्ष है जिसे बहुधा सभी संस्थाएं बिसरा चुकी हैं या उस पर उनका ध्यान ही नहीं है वह है अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त अन्य विदेशी भाषाओं का साधारण ज्ञान, जैसे जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश। यहां यह भी बताना जरूरी है कि छात्र को भारतीय भाषाओं में हिंदी और संस्कृत का अच्छा ज्ञान होना आवश्यक है। प्राचीन काल में नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालयों से विदेशी काफी ज्ञान जो संस्कृत में था, अनुवाद कर ले गये। वर्तमान में कृषि संकाय में भाषा ज्ञान के बारे में स्तिथि नगण्य है। आखिर में मैं यह अनुशंसा करता हूँ कि ऐसे सभी संस्थानों के नाम से विश्व विद्यालय शब्द हटा कर इनको प्रदेशीय महाविद्यालय नाम दिया जाय, और कुलपति के स्थान पर मुख्य अधिकारी पदनाम रखा जाय वैसे भी बंगाल सरकार ने कुलपति नियुक्त करने का अधिकार राज्यपाल से छीन लिया है और राजस्थान सरकार भी ऐसा करने की योजना रखती है फिर देखना ये है कि कुलपति समक्ष अधिकारी कौन बनता है, मुख्य मंत्री, मंत्री, प्रमुख सचिव, अथवा विधायक? या फिर कोई और सरकार में से ही? यह मसला सिनेमा स्कॉपिक है फिल्म बड़ी है धैर्य रख कर देखते रहिये।

–डॉ. (प्रो.) वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति व डेरी विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर

बहरोड़ में हाई वोल्टेज विद्युत खंभे के नीचे चल रहा गुरुकुल डिफेंस का अभ्यास केंद्र

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। बहरोड़ कस्बे में डिफेंस एकेडमियों के द्वारा किशोर व नौजवान बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करते हुए डिफेंस एकेडमियों का असली रूप सामने आया है।

अलवर जिले के बहरोड़ कस्बे के नारनौल रोड पर डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी आदि के रजिस्ट्रेशन से गुरुकुल डिफेंस अकैडमी का 33000 केवी की हाई वोल्टेज विद्युत लाइन के लोहे के पोल के नीचे बच्चों को शारीरिक अभ्यास केंद्र बनाकर डिफेंस के बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जिससे किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है। विद्युत विभाग तो कब कार्यवाही करेगा लेकिन डिफेंस से संबंधित संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन देने वाले शैक्षिणक विभाग के द्वारा निर्देशित पालना नियमों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं जो प्रशासनिक ढर्रे का मजाक बनता दिखाई दे रहा है।

गुरुकुल डिफेंस अकैडमी में हाई वोल्टेज विद्युत लाइन के नीचे शारीरिक अभ्यास केंद्र बनाकर बच्चों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है।

कस्बे में संचालित अनगिनत डिफेंस एकेडमियों का मकसद मात्र मोटी रकम 7 हजार रुपए से 15 हजार रुपए मासिक वसूल करना रह गया है। जिसमें एक डिफेंस एकेडमी के द्वारा तो फिजिकल ग्राउंड में हाई वोल्टेज के तारों का जाल फैला हुआ है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि बच्चों के फिजिकल ग्राउंड के बीच में जहां बच्चे अभ्यास करते हैं वहां हाई वोल्टेज का लोहे का स्तंभ लगा हुआ है। देर सवेर कभी भी इन मासूम नौजवानों के साथ यदि किसी प्रकार की कोई अनहोनी घटना घट जाती है तो उसके लिए इन संस्थाओं के पास तथा विद्युत निगम, तहसीलदार, उपखंड अधिकारी व जिला का कलेक्टर आदि प्रशासनिक अधिकारियों के पास कोई जवाब होना मुश्किल ही नहीं कर्तव्य परायणता के दोषी भी होंगे। कुछ डिफेंस एकेडमी में तो बच्चों को अलमारियों की तरह से रैक बनाकर सोने पर मजबूर किया जा रहा है जो हकीकत में क्षेत्र की जनता के साथ तो अन्याय है। गरीब से लेकर अमीर तबके के माता-पिता को लूटने का कारोबार चलाया जा रहा है।

■ किशोर व नौजवान बच्चों के जीवन से खिलवाड़, हो सकता है बड़ा हादसा

मामले में बहरोड़ एक्सईएन विद्युत विभाग बहरोड़ के अधिकारी पीडी सैनी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यदि ऐसा है तो यह गलत किया जा रहा है उन्होंने ऐसा क्यों कर रखा है हमारी जानकारी से बाहर है। जिसके मामले में जेवीवीएनएल बहरोड़ के एईएन को सूचित करने पर कार्यवाही होगी जो मेरे द्वारा ही मानी जाएगी। वहीं बहरोड के विद्युत विभाग के अधिकारी एइएन से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

पुष्कर में अव्यवस्थाओं के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने पूर्णिमा के पावन अवसर पर डुबकी लगाई

पुष्कर, (निसं)। करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र तीर्थ नगरी पुष्कर इन दिनों प्रशासनिक उदासीनता के दंश झेलने को मजबूर है । एक और जहां आए दिन सीवरेज का गंदा पानी सरोवर के पवित्र जल में मिल रहा है तो वही सरोवर पर सफाई व्यवस्था के मुकम्मल इंतजाम देखने से नहीं मिलते । ऐसे में पुष्कर की धार्मिक छवि धूमिल हो रही है । सरोवर के घाटों पर विचरण करते आवारा पशु । यह नजारा सोमवार को जेष्ठ पूर्णिमा के पावन पर्व पर तीर्थ नगरी पुष्कर में देखने को मिला । जिसको लेकर स्थानीय पुरोहितों और पुष्कर आए श्रद्धालुओं ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है । तीर्थ पुरोहितों का कहना है कि पुष्कर सरोवर पर सफाई व्यवस्थाएं नहीं की जा रही है । साथ ही आवारा जानवर यात्रियों को चोट पहुंचा रहे हैं । ऐसे में लाखों रुपए का ठेका देकर सफाई व्यवस्था बनाए रखने मैं पालिका कर्मचारी और अधिकारी नाकाम साबित हो रहे हैं ।खरेखड़ी रोड पर ब्रह्मा मंदिर की ओर से गौ शाला बनने के बाद भी जानवर को वहां शिप्ट नही किया जा रहा है। ये जानवर सरोवर पर विचरण करते नजर आ रहे है। करोड़ो रूपये खर्च करने बावजूद इनके हालात ज़स के तस बने हुए है । बहरहाल इन तमाम अव्यवस्थाओं के बीच देश भर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने जेष्ठ मास की पूर्णिमा पर सरोवर में स्नान कर पूजा अर्चना और दान पुण्य किया ।

पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों के साथ आवारा जानवर भी घाटों पर विचरण कर रहे थे।

पूर्णिमा पर कल्याण धणी के दर्शनों को उमड़े श्रद्धालु

डिग्गी, (निसं)। पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को तीर्थनगरी डिग्गीपुरी में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। आस पास के क्षेत्र सहित सम्पूर्ण प्रदेश से भक्त दर्शनों के लिए दिनभर कतार में लगे रहे। भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से डिग्गी में मेले का सा नजारा रहा। गर्मी व उमस से परेशान होने के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बनता। पूर्णिमा के दिन उमड़ी भीड़ के कारण पुलिस को भी अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ी तथा डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी व एएसआई भवरंलाल व एसआई कैलाश चंद दिन भर डिग्गी में मुस्तैदी से डटे रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 15 जून, 2022

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, मूल नक्षत्र दिन 3:33 तक, शुक्ल योग रात्रि 1:14 तक, कौलव करण दिन 1:32 तक, चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 3:33 तक है। कुमार योग, ज्वालामुखी योग दिन 1:32 तक है। राजयोग दिन 3:33 से सूर्योदय तक है। आज आजाद संक्राति, सूर्य मिथुन राजश में प्रवेश दिन 12:04 पर होगा। पूण्य काल प्रातः 5:40 से सांय 6:28 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:02 तक, शुभ 10:44 से 12:27 तक, चर 3:52 से 5:35 तक, लाभ 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:18

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या
परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक व्मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। महत्वपूर्ण व्मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में भय बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

ट्रक-मोटरसाइकिल की टक्कर में भाई-बहन घायल

सुजानगढ़, (नि.स.)। सुजानगढ-सालासर सड़क मार्ग पर गांव भीमसर-धां के बीच ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो जने घायल हो गये। जानकारी के अनुसार भरत पुत्र हेमराज प्रजापत निवासी कुम्हारों की ढाणी, बीदासर अपनी बहन जशोदा पत्नी सीताराम प्रजापत निवासी लुहारा के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर सालासर की ओर से अपने गांव जा रहा था। भीमसर-धां के बीच सामने से आ रहे ट्रक से मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। जिसमें दोनो भाई-बहन घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार व एम्बूलेंस चालक नवरतन बिजारणियां घायलों को लेकर सालासर अस्पताल पहुंचे। जहां पर चिकित्सकों ने घायल भाई बहन का उपचार किया तथा गंभीरावस्था को देखते हुए रैफर कर दिया। घायलों के साथ परिजनों के नहीं होने पर टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार और सालासर निवासी चुन्नीलाल प्रजापत 108 एम्बूलैंस से उन्हें लेकर सीकर कल्याण अस्पताल स्थित ट्रोमा सेंटर पहुंचे। जहां पर चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया।

जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा

चूरू, (का. सं.)। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से आमजन को उपचार का लाभ के साथ चिकित्सा संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में भी फायदा हो सकेगा। यह जानकारी जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने मंगलवार को जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति की बैठक में चिकित्सा अधिकारियों को दी।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत

- अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सा अधिकारी व प्रभारियों पर नाराजगी जताई

लाभार्थियों को दस लाख रुपये का निशुल्क उपचार मिलता है। उन्होंने बताया कि राजकीय चिकित्सा संस्थान में चिरंजीवी योजना के तहत बुक होने वाले उपचार पैकेज से मिलने वाली राशि से चिकित्सा संस्थान में भी सुविधा विस्तार किया जा सकता है। उन्होंने

जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति की बैठक में चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिये।

बैठक में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कम प्रगति वाले चिकित्सा संस्थान के प्रभारियों से कारण बताने तथा पैकेज बुक कर निशुल्क उपचार सेवा का लाभ देने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने संस्थागत प्रसव बढ़ाने व नियमित टीकाकरण के दौरान छूटे हुये बच्चों के समय पर टीकाकरण के लिए निर्देश दिए। सीएमएचओ ने टीकाकरण व चिकित्सा विभाग के राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में जिला कलेक्टर ने चिकित्सा संस्थान पर लंबे समय से बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले डाटा एंट्री ऑपरेटर को नोटिस जारी कर हटाने के निर्देश दिये। इसके अलावा काम में लापरवाही बरतने वाले ऑपरेटर की भी संविदा सेवा समाप्त करने के निर्देश दिये तथा जल्द ही संविदा के नये ऑपरेटर लेने के निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सा अधिकारी व प्रभारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिये कि बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सा अधिकारियों व प्रभारियों को अनुपस्थिति का कारण स्पष्ट करने के निर्देश दिये।

रश्मि शर्मा व स्नेहप्रभा मिश्रा सम्मानित

सुजानगढ़, (नि.सं)। ब्रजभूमि फाउण्डेशन द्वारा जयपुर के निर्मला ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मान समारोह में रश्मि शर्मा व स्नेहप्रभा मिश्रा का सम्मान किया गया। फाउण्डेशन की जिला अध्यक्ष सुनीता रावतानी ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष हर राज्य में अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा कार्य द्वारा समाजहित में नि:स्वार्थ भाव से कार्य करने वाली 51 प्रभावशाली महिलाओं का सम्मान किया जाता है। फाउंडेशन के अश्विन के.चौधरी व प्रदेशाध्यक्ष निधि सिंह टाक व उपाध्यक्ष अलका भाटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मारवाडी युवा मंच सखियां सुजानगढ़ की अध्यक्ष रश्मि शर्मा, उपाध्यक्ष व वरिष्ठ शिक्षिका स्नेहप्रभा मिश्रा को सम्मानित किया गया। स्पेशल अचीवर अवार्ड के लिए सुनीता रावतानी को भी सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निधि सिंह टाक के निर्देशन एवं जयपुर की मेयर सौम्या गुर्जर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में आगरा की समाजसेविका रूबी चौधरी, निर्भया स्कावड की जयपुर नोडल ऑफिसर डीसीपी सुनीता मीणा, भाटी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्री के चैयरमेन हेमंत भाटी आदि उपस्थित थे।

सार-समाचार

छात्रा कोमल ने क्षेत्र का नाम रोशन किया

सादुलपुर, (निसं)। गुरू कृपा पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय चुबकिया ताल की कक्षा 10 वीं (माध्यमिक) परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा है। जिसमें छात्रा कोमल पुत्री सुरेन्द्र शर्मा ने 96.50 सर्वोच्य अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहते हुए विद्यालय, माता-पिता एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य मदनलाल ने बताया कि कक्षा 10 वीं के 10 विद्यार्थियों ने गणीत एवं अंग्रेजी विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं तथा कक्षा 12वीं के राजनीतिक विज्ञान विषय में भी शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में कक्षा 10 वीं माध्यमिक परीक्षा में मनिला ने 93.33 प्रतिशत, अन्नु शर्मा ने 93.17 प्रतिशत, पूनम ने 92.33 प्रतिशत, रेणु ने 90.50 प्रतिशत, मनिषा ने 86.66 प्रतिशत व स्वीटी ने 85.83 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। उन्होंने बताया कि साथ ही समस्त विद्यार्थियों ने उच्च अंकों के साथ माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसी दौरान संस्था निदेशक धनसिंह शास्त्री, प्रधानाचार्य मदनलाल एवं समस्त विद्यालय परिवार ने छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावको को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर गोपाल, शेरसिंह, राजकुमार, सुभाष, पंकज, राकेश, सोनू, दिनेश व सत्यवीर आदि उपस्थित रहे।

टीबी पोस्टर का किया विमोचन

रतनगढ़, (निसं)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत टीबी फोरम की बैठक जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने कार्यक्रम की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जिला कलेक्टर ने कहा कि समुदाय में हर वर्ग के अग्रणी लोगों की सहायता लेकर टीबी जैसी बीमारी को जनजागरूकता लाकर लक्षण दिखाई देने पर जांच करवाने के लिये प्रेरित कर जड़ से खत्म करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निक्षय सम्बल योजना के तहत सेवा प्रदाता, गैर सरकारी संगठन, समाज के गणमान्य लोग के सहयोग से टीबी रोगियों को पोषण, रोजगारोन्मुखी एवं शैक्षिणक सहायता उपलब्ध करवाने के पुनित कार्य में सहयोग करने एवं टीबी रोगियों को पोषण किट उपलब्ध करवाने पर चर्चा की। साथ ही ब्लॉक वाईज टीबी मरीजों का वाट्सअप गुप बनाकर टीबी सम्बन्धित आईईसी ग्रुप में ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, टीबी चैम्पियन की विडियो बनाकर आमजन को मोटिवेट किया जावें एवं टीबी फ्री ग्राम पचांयत पर कार्य किया जावें। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. वेद प्रकाश ने निक्षय पोषण योजना के तहत मिलने वाली पोषण सहायता के बारे में जानकारी दी। आईएमए चूरू के अध्यक्ष डॉ. बी.एल. नायक द्वारा टीबी मरीजों को समय पर दवा के साथ-साथ पोषण युक्त आहार एवं रोगी को मास्क काम में लेने के लिए कहा गया। इस अवसर पर जिला परिषद के महेन्द्र सिंह न्योल, आईएमए चूरू के डॉ. महेश शर्मा, डॉ. उत्तम कुमार, डॉ. प्रदीप पचार, डॉ. शाजिद, भवरलाल रूईल, मधुसुदन शर्मा, समस्त बीसीएमओं एवं मोहम्मद आसिफ, चिन्तन सिंह बारी, मुकेश भाम्बू आदि उपस्थित थें।

रक्तदान शिविर का आयोजन

सुजानगढ़,(नि.सं)। दादा कायम खां के 603 वें शहादत दिवस पर कायमखानी समाज के युवाओं द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक सद्दाम कादरी ने बताया कि सभापति नीलोफर गौरी, पार्षद मधु बागरेचा, पार्षद उषा बगडा, कांग्रेस नेत्री सरला पांडे, जिला प्रवक्ता मो. इदरीश गौरी, ब्लॉक अध्यक्ष सविता राठी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामवतार मंगलहारा, पूर्व उपसभापति बाबूलाल कुलदीप, दिनेश पीपलवा, शाकिर खान बेसवा, योगितासिंह सांवराद ने शिविर का अवलोकन किया। पार्षद इकबाल खान, पार्षद आसिफ खान नसवाण, पार्षद आसिफ चौहान, मौसिम खान, नदीम भुट्टा, के.के.आर, अकरम राईन, हसन खान, लुकमान कायमखानी, अरशद खान दौलतखानी, बाबू डेविल, निखिल, पिंटू खान, आदिल, बिलाल खां, नौशाद खां, सोयल भुट्टा, अरमान खान, आसिफ एसएमएस, लिखमीचंद, शिफा खीची, राजा खान, इरफान खान, आरीफ खान सोनू, असलम खान, उस्मान खान, कालू साई ने शिविर को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। शिविर में डॉ. एम.एम. व्यास के नेतृत्व में ब्लड बैंक के दानाराम सेवदा, सिकन्दर खान, राकेश कुमार, अजय ने सेवाऐं दी। सद्दाम कादरी ने बताया कि इस उपलक्ष में ठरडा स्थित झुग्गी झोंपडियों में रहने वाले परिवारों को पार्षद इकबाल खान, पार्षद आसिफ खान नसवाण, नदीम भुट्टा, अरशद खान, मौसिम खान, पिंटू खान, हसन खान, लुकमान कायमखानी द्वारा फल वितरित किए गए।

जल मन्दिर का लोकार्पण

चूरू, (का. सं.)। जिला कारागृह में मधु शर्मा धर्मपत्नी आनन्द शर्मा की पुण्य स्मृति में उनकी सास-ससुर संतोष एवं हुक्मीचन्द लाम्बीवाला निवासी चिड़ावा निर्मित जल मन्दिर का लोकार्पण मंगलवार को मुकन्दगढ़ धाम के महन्त चेतननाथ महाराज ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में जल दान, अन्न दान और वस्त्र दान, तीन तरह के दान बताये गये हैं जिनमें जल दान सर्वोपरि माना गया है। तपती दोपहरी में प्यासा व्यक्ति जब शीतल जल पीकर अपनी प्यास बुझाता है तो वह तृप्ति का अनुभव करता है और उसके अन्त:करण से स्वत: शुभकामनाएं निकलती हैं जिससे पानी पिलाने वाले को बहुत बड़ा पुण्य मिलता है। मण्डावा धाम के महन्त ब्रह्मचारी गणेश चैतन्य महाराज ने कहा कि जब आदमी दूसरों के दर्द को समझकर उसको दूर करने में सहायता करता है तो इससे भगवान प्रसन्न होकर दान देने वाले की झोली को भर देते हैं। इस अवसर पर भामाशाह हुक्मीचन्द लाम्बीवाला, चिड़ावा नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष सुभाष शर्मा, अनन्त नारायण शर्मा, पुरस्कृत शिक्षक फोरम के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश त्रिवेदी, किशोर न्यायालय के सदस्य एडवोकेट रामेश्वर रामसरा, जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश फगेड़िया, पेंशनर समाज के हरिसिंह ने भी सम्बोधित किया तथा उन्होंने लाम्बीवाला द्वारा जन हित में बनाये गये जल मन्दिर की सराहना की। कार्यक्रम के आरम्भ में अतिथियों ने फीता काटकर जल मन्दिर का लोकार्पण किया।

चूरू के कांग्रेसी प्रदर्शन में शामिल हुए

चूरू, (का. सं.)। ईडी द्वारा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी व राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को भेजे गए नोटिस को लेकर जयपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आव्हान पर हुए प्रदर्शन में चूरू से पीसीसी सदस्य रियाजत खान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम चोटिया व कांग्रेस नेता जमील चौहान भी शामिल हुए। चौहान ने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल जैसे हालात हो गए हैं। दिल्ली में प्रवेश से रोका जा रहा है। देश को बताओ कि किस कानून के तहत रोका जा रहा है।

शांतिभंग में दो गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। आईजीपी बीकानेर रैंज बीकानेर द्वारा चलाये जा रहे सड़क किनारे स्थित होटल व ढाबा चौकिंग अभियान के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनन्द चूरू के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अशोक बुटोलिया, वृताधिकारी राजगढ बृजमोहन असवाल के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी राजगढ कृष्ण कुमार बलौदा द्वारा ढाबा व होटलों की चेकिंग करते हुए राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत तीन कार्यवाही तथा दो संदिग्ध लोगों को धारा 151 सीआरपीसी में गिरफ्तार किया जाकर नेक चलनी हेतु पाबंद करवाया गया।

हनुमान चालीसा पाठ की मांगी इजाजत

सुजानगढ़, (नि.स.) ज्ञानवापी में मिले कथित शिवलिंग को फव्वारा बताने के विरोध एवं नित्य गौरी पूजा की स्वीकृति देने की मांग को लेकर सर्व समाज द्वारा आगामी 18 जून शनिवार को गांधी चौक में हनुमान चालीसा पाठ करना प्रस्तावित है। जिसकी सोमवार को उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लूणिया को सूचना पत्र प्रदान कर हनुमान चालीसा पाठ की इजाजत मांगी गई है। सूचना पत्र सौंपने के दौरान नरेन्द्रसिंह भाटी, भगवतीप्रसाद नवहाल, रामरतन बोचीवाल, बृजमोहन सुरोलिया, परमेश्वरलाल चोटिया, दीनदयाल पारीक, कमल दाधीच, मुकेश जोशी, राजकुमार पारीक, शिवभगवान दर्जी, पुरूषोतम शर्मा, मनोज पारीक आदि उपस्थित थे।

रोगियों को दिया उपचार व परामर्श

सादुलपुर, (निसं)। शहर के प्रतिष्ठित जैन अस्पताल में दिल्ली के प्रसिद्ध हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश जैन ने दर्जनों लोगों को हड्डी रोग से संबंधित लोगों का उपचार कर परामर्श दिया। जैन अस्पताल के निदेशक डॉ. विनोद उर्मिल अग्रवाल ने बताया कि इस एक दिवसीय शिविर में हड्डी से संबंधित जटिल रोगों के रोगियों को उचित परामर्श देकर उपचार किया जा रहा है, ताकि लोगों को बाहर जाकर महंगा इलाज नहीं करवाना पडे। शिविर के दौरान नेविगेशन पद्धति से घुटने, कूल्हे, कंधों का ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, दूरबीन द्वारा घुटने कंधे, कोहनी, कलाई की सर्जरी, घुटने व कंधों में इंजेक्शन द्वारा दर्द से राहत, खेलकूद की चोट का इलाज, गठिया बाव-रिंगण बाव, डिस्क व रीढ की हड्डी की चोट आदि का इलाज किया गया।

21 जून को मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

चूरू, (का.सं.)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर 21 जून को जिलेभर में योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। मंगलवार को इस सिलसिले में कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर लोकेश गौतम ने संबंधित अधिकारियों को योग दिवस आयोजन के संबंध में निर्देश दिए।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कहा कि नियमित योग व्यक्ति के लिए अत्यंत लाभप्रद है। योग दिवस के माध्यम से हम अधिक से अधिक लोगों को योग के लिए प्रेरित करें और नियमित योग से जोड़ सकें, यह हमारी कोशिश होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 21 जून को जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने नगर परिषद, आयुर्वेद, कॉलेज शिक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सहित विभिन्न अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि योग दिवस का भरपूर प्रचार-प्रसार विभिन्न माध्यमों से किया जाए तथा प्रत्येक स्तर पर योग्य प्रशिक्षकों को नियुक्त किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिले। आयुर्वेद उपनिदेशक अनिल मिश्रा ने योग दिवस की तैयारियों, दिशा-निर्देश और पूर्व में किए गए कार्यक्रमों से अवगत करवाया। बैठक में एसडीएम सत्यनारायण सुथार, कोषाधिकारी रामधन, एसीएफ राकेश दुलार, जिला साक्षरता अधिकारी ओमप्रकाश फगेड़िया, आईसीडीएस डीडी सीमा सोनगरा, डीआरसीएचओ डॉ विश्वास मथुरिया, डॉ जेपी महायच, डिस्काम एसई एमएम सिंघवी, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. धनपत चौधरी, डीईओ निसार खान, एडीपीसी सांवर मल गहनोलिया, लोहिया कॉलेज प्राचार्य दिलीप पूनिया, डीएसओ सुरेंद्र महला, वैद्य रामकृष्ण शर्मा, डॉ कमल वशिष्ठ, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अरविंद ओला सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

वार्ता में निराकरण करने की मांग

सुजानगढ़, (निसं)। बोबासर पुलिया के पास गत दिवस हुए हादसे में जोधपुर के चार युवकों की मौत के बाद सांसद राहूल कस्वां ने सुध लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रिय अधिकारी से जयपुर में मुलाकात की। जिला परिषद सदस्य नौरंग सीलू ने बताया कि सांसद राहूल कस्वां ने वार्ता के दौरान एनएचएआई के अधिकारी से बोबासर से कानूता तक राष्ट्रीय राजमार्ग के डार्क स्पॉट एवं अन्य तकनीकी खामियों को चिन्हित कर उनका निराकरण करने की मांग की। सांसद ने अधिकारी को बताया कि बोबासर व कानूता गांवों में डार्क स्पॉट व अन्य तकनीकी खामियों के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर आये दिन भयावह दुर्घटनाएं हो रही हैं। विगत रविवार को ही 4 युवकों की दु:खद मृत्यु हो गई। इन दोनों गांवों में स्थाई रूप से डिवाईडर, 4 लेन का निर्माण कार्य शीघ्र करवाना अति आवश्यक हो गया है, ताकि हादसों से बचा जा सके। क्षेत्रीय अधिकारी ने दो दिन में निरीक्षण कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

80 बार रक्तदान कर चुके डॉ. हेमंत मंगल राज्य स्तर पर हुए सम्मानित

चूरू, (का. सं.)। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर जयपुर के स्वास्थ्य भवन में हुए रक्तदाता सम्मान समारोह में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने चूरू के लोहिया कॉलेज में भूगोल विषय के सह आचार्य डॉ. हेमंत मंगल को सम्मानित किया। डॉ. मंगल अपने जीवन में 80 बार रक्तदान कर चुके हैं। मंगल की ओर से उनके मित्र सुनील सांखला ने यह सम्मान ग्रहण किया। डॉ. हेमंत मंगल ने बताया कि उन्होंने जीवन में पहली बार 1993-94 में रक्तदान किया था।

उसके बाद पिताजी ने नियमित रक्तदान की प्रेरणा दी। तभी से यह सिलसिला जारी है। वे कहते हैं कि हर बार रक्तदान के बाद जो रूहानी खुशी मिलती है, वह अद्भुत होती है और उसका वर्णन मेरे लिए मुश्किल है। मंगल ने बताया कि हाल ही में 8 मई को उन्होंने डीबी जनरल अस्पताल में आयोजित शिविर में रक्तदान किया था, संयोग से उस दिन उनके विवाह

डॉ. हेमंत मंगल

- डॉ. हेमन्त मंगल ने जीवन में पहली बार 1993-94 में रक्तदान किया था

की वर्षगांठ भी थी। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने के पीछे मेरी वजह शुद्ध मानसिक है।

मुझे आनन्द आता है। साथ ही मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि जिन्दगी में कुछ ऐसे अवसर आए जब ड्राइविंग के दौरान हादसे और प्राणांत संभावित था, लेकिन कभी दिक्कत नहीं आई, यह भी मुझे रक्तदान के लिए प्रेरित करता है।

डॉ. मंगल ने बताया कि उनकी पत्नी विनीता मंगल और हर्षित मंगल भी रक्तदाता हैं। उन्होंने युवाओं से अनुरोध करते हुए कहा कि रक्तदान के प्रति अपनी हिचक दूर करें और नियमित रक्तदान करें। एक यूनिट रक्त तीनों लोगों के प्राण बचाता हैए यह एक कारण ही रक्तदान के लिए पर्याप्त है। नवीन वैज्ञानिक तर्कों में यह पुष्टि हुई है कि नियमित रक्तदान के अनेक स्वास्थ्य लाभ भी हैं, सो हमें यह लाभ उठाना ही चाहिए।

गौशाला में गायों को गुड़ खिलाया

चूरू, (का. सं.)। कायमखानी कोम के संस्थापक दादा कायम खान का शहादत दिवस कांग्रेस नेता मुस्ताक खान द्वारा गौशाला में गायों को गुड़ खिलाकर व चारा वितरित कर मनाया गया। यहां मुस्ताक खान ने बताया कि कायम खान ने अपने शासन काल में हजारों बीघा जमीन गायों के लिए सुरक्षित रखी जो हरियाणा व राजस्थान में गौचर भूमि के नाम से आज भी सुरक्षित है। मुस्ताक खान ने कहा कि उनके शासन काल में सभी धर्मों का आदर सम्मान किया जाता था व समाज के निचले तबके के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए जाते थे। इस अवसर पर पार्षद अंजनी कुमार शर्मा, महेश दूकिया, पार्षद हुस्ना बानो, पूर्व पार्षद यासीन खान, कांग्रेस नेता सतीश चन्द्र शास्त्री, आईटी सेल जिलाध्यक्ष रफीक चौहान, कांग्रेस नेता अली मोहम्मद, युवा नेता आदिल भलीम, नवरतन सैनी, अंजार खान, अज़ीज़ अली, इमरान मजुका, इस्माईल खान, हिदायत सरकेल, सतार सामदखानी, शाहिद गौरी, भंवरू खां, नानू खान, अमजद खान, इसाक खान, नबी खान चायल, शेर मोहम्मद, आसिफ खान आदि उपस्थित थे।

प्रतिभावान 58 विद्यार्थियों का किया सम्मान

सुजानगढ़, (निसं)। बाल भारती इंटरनल उच्च माध्यमिक विद्यालय में 58 प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। निदेशक नोपाराम मंडा की अध्यक्षता एवं आर.पी. बलदेव ढाका के आतिथ्य में लक्ष्मणराम खिलेरी, प्रेम नेहरा विशिष्ट अतिथि थे। 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का साफा बांध कर तथा 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का माला पहना कर एवं गुलाल लगाकर सम्मान किया गया एवं मुंह मीठा करवा कर बधाई दी गई।

प्रधानाचार्य शांतिलाल शर्मा ने बताया कि समारोह में कक्षा दस में नंदनी शर्मा 96.5, मोहित खिलेरी 93.5, कोमल जांगिड़ 92.17, दीक्षा भींचर 91.67 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर क्रमश: 11 हजार, इक्यावन सौ व इक्कीस सौ रूपये का नगद पुरूस्कार प्रदान किया गया। विज्ञान वर्ग में दिव्या स्वामी 90 प्रतिशत व वाणिज्य वर्ग में प्रज्ञा शर्मा 89.6 प्रतिशत तथा कला वर्ग में निरंजना चोयल के 84.20 अंक प्राप्त करने पर प्रत्येक को 11-11 सौ रूपये का नगद पुरूस्कार प्रदान किया गया। समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों के अभिभावकों का भी माला पहना कर एवं गुलाल लगा कर स्वागत किया गया। आर.पी. बलदेव ढाका ने उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन किया। निदेशक नोपाराम मण्डा ने कहा कि मेहनत करने वालों को सफलता अवश्य मिलती है, इसलिए लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत अवश्य करें। निदेशक नोपाराम मण्डा, प्रधानाचार्य शांतिलाल शर्मा, प्रधानाचार्या मैना जानू, प्रधानाचार्या रचना जांगिड़, मीरा जांगीड सहित उपस्थित अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन संतोष विश्नोई ने किया।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने की जनसुनवाई

सादुलपुर, (निसं)। स्थानीय विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने मंगलवार को विधायक निवास स्थान पर जन सुनवाई की। इस दौरान शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना और उन्होंने समस्याओं को सुनने के उपरांत

- बिजली, पानी की समस्या समाधान के दिए निर्देश

सम्बन्धित अधिकारियों को लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता से निपटान करने के निर्देश दिये।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने कहा कि अधिकारी लोगों की समस्याओं का तीव्रता से समाधान करने के निर्देश दिए। जो भी शिकायत उनके संज्ञान में आती है वे उसका निपटान करें तथा क्षेत्र में आ रही पानी की समस्या के समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान रामपुरा सरपंच नरेश बालानिया, राजपाल मास्टर, नाहर सिंह मेघवाल, सज्जन पूनिया, अमित मीणा, कुरडा राम कुलडिया, हनुमान कुलडिया, सज्जन भाकर व महिपाल गोदारा आदि उपस्थित थे।

विधायक आवास पर सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनियां ने जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनी।

भाजयुमो की बैठक सम्पन्न

सुजानगढ़, (नि.सं)। भाजयुमो की बैठक अध्यक्ष अमित मौसूण की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के सफलतम आठ वर्ष के कार्यकाल पर 16 जून को प्रस्तावित विकास तीर्थ यात्रा-बाइक रैली के बारे में चर्चा की गई। बैठक को वरिष्ठ भाजपा नेता वैद्य भंवरलाल शर्मा, बुद्धिप्रकाश सोनी, विश्वदीपक काछवाल, नरेन्द्र गुर्जर, राजेश सैन ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर बृजेश शर्मा, सुमित्रा सैन, मुकेश चावला, हिमांशु भाटी, खुशबू दाधीच, सोनू खण्डेलवाल, जगदीश स्वामी, मनीष प्रजापत, रामअवतार मारोठिया, अनिल मेघवाल, सुमित सैनी, शिव कुमार दाधीच, यशपाल चौधरी आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन मुकेश चांदरा ने किया।

कृषि उपज मंडी में शिविर आज

सुजानगढ़ (निसं)। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत कृषि उपज मंडी में आज बुधवार को शिविर का आयोजन किया जायेगा। मंडी सचिव सलीम मोहम्मद

कादरी ने बताया कि बुधवार को सुबह दस से शाम पांच बजे तक आयोजित शिविर में खाद्य ईकाई लगाने के इच्छुक व्यक्ति ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिविर में योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी जायेगी तथा सभी प्रकार की शंका का समाधान किया जायेगा। मण्डी सचिव सलीम मोहम्मद कादरी एवं पीएमएफएमई योजना के स्टेट कार्डिनेटर संदीप सैनी, नाबार्ड के डी.डी.एम., जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबन्धक नानूराम गहनोलिया, राजीविका के अधिकारी इस सम्बन्ध में तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए उपस्थित रहेंगे।

दो कारों की टक्कर में बच्चे सहित माता-पिता घायल

सुजानगढ़ (नि.सं)। बोबासर पुलिया के पास दो कारों की टक्कर में एक बच्चे सहित उसके माता-पिता घायल हो गए। जानकारी के अनुसार जयप्रकाश पुत्र महावीर जाट उम्र 30 वर्ष निवासी चैनपुरा बडा तहसील राजगढ, जिला चूरू अपनी पत्नी विनोद उम्र 25 वर्ष और अपने डेढ वर्षीय पुत्र के साथ कार से गुजरात के राजकोट से अपने गांव जा रहा था। बोबासर पुलिया से नीचे उतरते सालासर साइड से आ रही दूसरी कार से टक्कर हो गयी। जिससे जयप्रकाश, उसकी पत्नी विनोद व डेढ वर्षीय पुत्र घायल हो गए। घायलों को उधर से गुजर रहे लक्ष्मीकांत प्रजापत निवासी चाडवास, हाईवे पेट्रोल की टीम और टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार और एम्बुलेंस चालक नवरतन बिजारणिया ने सरकारी अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना मिलने पर सदर पुलिस थाना के सहायक उप निरीक्षक तनसुख राम नैण ने अस्पताल पहुंच कर हादसे की जानकारी ली।

तेज आंधी से कई पेड़ एवं बिजली के पोल गिरे

बिसाउ में तेज आंधी आने से कई पेड़ टूटकर गिर गये।

बिसाउ, (निसं)। कस्बे में काफी दिनों के बाद भयंकर गर्मी से थोड़ी सी निजात मिली है। मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादलों का आवागमन जारी था। शाम को करीब 5:30 बजे अचानक मौसम ने करवट बदला।

पहले हल्की बूंदाबांदी हुई उसके बाद अचानक तेज आंधी के साथ बरसात आइ तथा तेज आंधी के चलते कई पेड़ एवं बिजली के पोल गिर गए जिससे बिजली बाधित हुई है कथा बस स्टैंड से गौशाला की ओर जाने वाली रोड पर तीन बिजली के पोल गिरने से आवागमन बाधित हो गया। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई तथा तुरंत बिजली कटवा दी गई करीब 1 घंटे के बाद बिजली वाले मौके पर पहुंचे बरसात होने से उमस हो गया कल पोल गिरने से कई जगह बिजली पूरी रात बाधित रही।

अलवर शहर में बढ़ती पानी की किल्लत को लेकर विधायक धरने पर बैठे

रूपारेल नदी का पानी जयसंमध बांध में लाने के लिए नटनी का बारां वीयर पर दे रहे धरना

अलवर, (निसं.)। नटनी का बारां वीयर से निकलने वाली रूपरेल नदी के जरिये 60 फीसदी वर्षा का पानी व्यर्थ बह जाता है। इसकी वजह से अलवर की लाइफ लाइन माने जाना वाला जयसमंद बांध कई सालों से नहीं भर पाया है। जयसमंद बांध में पानी भरने व अलवर शहर व आसपास का भूजल स्तर बढ़ता है और पानी की समस्या में कमी आती है। इसके लिए रूपारेल नदी का पानी जयसंमध बांध में लाने के लिए शहर विधायक संजय शर्मा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ नटनी का बारां वीयर पर मंगलवार सुबह 9:30 बजे धरने पर बैठे गए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस दौरान सरकार व प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान न देने के विरोध में धरना प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे शहर विधायक संजय शर्मा।

विधायक संजय शर्मा के साथ धरने पर पूर्व विधायक जयराम जाटव, पूर्व प्रदेश मंत्री सुरेश यादव, सभापति घनश्याम गुर्जर, जिला पदाधिकारी अशोक गुप्ता, जितेंद्र राठौर, राजेंद्र कसाना, दीपक पंडित, दिनेश गुप्ता, सुरेश मेहता, सुभाष दायमा, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सैनी, मनोज चौहान, रवि यादव, हरीश अरोडा, विकास शर्मा, राकेश यादव, अजय सोनी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर विधायक संजय शर्मा ने कहा कि नटनी के बारां से वर्षा के पानी का बंटवारा होता है। रूपारेल नदी के जल के असमान वितरण के कारण जयसमंद बांध विगत कई वर्षों से भर नहीं पाता है एवं अत्यधिक व्यर्थ जल बह कर भरतपुर पहुंच जाता है। जबकि भरतपुर के आमजन हेतु जलापूर्ति चंबल नदी योजना से हो रही है। वर्तमान में वहां जल अभाव जैसी कोई समस्या नहीं है। ऐसे में यह अलवर का अधिकार है की रूपारेल का संपूर्ण जल अलवर को मिले। जिससे जयसमंद बांध अपनी पूर्ण क्षमता से भरे एवं यहां के भूजल स्तर में वृद्धि हो, आसपास के क्षेत्रो में समृद्धि हो।

चूरू: ढाणा की रोही में राज्यवृक्ष खेजड़ी के 70 पेड़ काटे

पुलिस पर कार्यवाही नहीं करने का आरोप लगाया

चूरू, (कासं)। चूरू जिले के सिधमुख थाना क्षेत्र के गांव ढाणा की रोही में रात को जेसीबी से खेजड़ी के 70 पेड़ काट डाले। खेत के मालिक मदनलाल शर्मा द्वारा पुलिस को रिपोर्ट देने के बाद भी पुलिस की आंखें नहीं खुलने का आरोप लगाया है। ढाणा निवासी मदनलाल शर्मा ने बताया कि उसके भाई राधेश्याम और वेद प्रकाश ने मिलकर रात को जेसीबी से उसके खेत में खड़े खेजड़ी के 70 पेड़ काट दिए। उन्होंने बताया कि वेद प्रकाश ने काटे हुए पेड़ों की एक पिकअप भरकर सिवानी आरा में भेज दी है। शेष कटे पेड़ खेत में ही पड़े हैं।

मदनलाल शर्मा ने बताया कि सिधमुख थाना में लिखित में रिपोर्ट देने के बाद भी अभी तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची है। वह सवेरे से ही थाने में बैठा गुहार लगा रहा है। इस संबंध में पटवारी जितेंद्र चारण ने बताया कि उन्हें तहसीलदार ने सूचना दी है। पटवारी ने अभी मौके पर जाने की बात कही है। इस संबंध में सिधमुख थाना पुलिस का कहना है कि यह चार भाइयों के बीच जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद का मामला है। पिछले दिनों आंधी में कोई जंटिया गिर गया था। एक भाई राज्य पेड़ खेजड़ी काटने का कह रहा है।

दूसरे भाई कह रहे हैं कि यह जमीन उनके हिस्से की है। एक खेत में 70 खेजड़ी होना भी संदेह के घेरे में है। सिधमुख थाना के अनुसार पुलिस की टीम मौके पर भेज दी है। इस संबंध में उपवन संरक्षक सविता दईया का कहना है कि सरकार ने वन भूमि के अलावा कहीं पेड़ कटें तो उन पर कार्यवाही करने अधिकारी उन्हें नहीं दिया है। दईया ने कहा कि उन्हें कोई सूचना भी नहीं मिली है। सूचना मिलती तो पटवारी और तहसीलदार को भिजवाते।

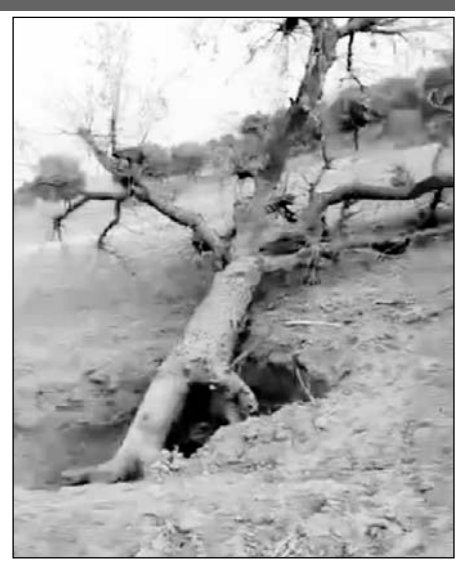

चूरू जिले के सिधमुख थाना क्षेत्र के गांव ढाणा की रोही में रात को जेसीबी से खेजड़ी के 70 पेड़ काट डाले।

सहायक आचार्य परीक्षा: शेष तीन विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियां वेबसाइट पर जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021के विभिन्न विषयों में से शेष 3 विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियाँ भी वेबसाइट पर जारी कर दी गयी हैं। इससे पूर्व 10 जून 2022 को आयोग द्वारा अन्य 11 विषयों की उत्तर कुंजिया भी जारी की जा चुकी है। आयोग के संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि की मॉडल उत्तरकुंजियाँ आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गयी हैं। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तरकुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 15 जून से 17 जून 2022 को रात्रि 12:00 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही करनी होंगी प्रविष्टियां - संयुक्त सचिव गुप्ता द्वारा बताया गया कि आपत्तियाँ आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। इस परीक्षा के मॉडल प्रश्न-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

औषधि व सहायक औषधि नियंत्रक रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (निस)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर उदयपुर इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुए परिवादी से 22 हजार रुपये रिश्वत लेते सहायक औषधि नियंत्रक चैतन्य प्रकाश पंवार, औषधि नियंत्रक धीरज शर्मा व दलाल को गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के महानिदेशक भगवानलाल सोनी ने बताया कि एसीबी की उदयपुर ईकाई को परिवादी ने शिकायत देते हुए बताया कि उसकी मेडिकल की दुकान पर सहायक औषधि नियंत्रक चैतन्य प्रकाश पंवार, औषधि नियंत्रक धीरज शर्मा द्वारा आकर दवाइयों का लेखा-जोखा मांग नारकोटिक्स का केस दर्ज करने की धमकी देकर एक लाख रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

इस पर एसीबी उदयपुर के उपमहानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार के निर्देशन में एसीबी उदयपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन करवा कर मंगलवार को ब्यरो के पुलिस निरीक्षक हरिशचंद्र सिंह एवं उनकी टीम ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए सहायक औषधि नियंत्रक उदयपुर चैतन्य प्रकाश पंवार, औषधि नियंत्रक उदयपुर धीरज शर्मा के कहने पर रिश्वत राशि को दलाल गांधी चौक सराड़ा निवासी अंकित जैन पुत्र इन्दरलाल जैन की मेडिकल शॉप ब्रिटिश फार्मा मधुवन उदयपुर पर रखवाने पर दलाल अंकित को परिवादी से 22 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

आरोपी सहायक औषधी नियंत्रक जटियों काबास, बिलाडा जोधपुर हॉल गली नं. 2 धूलकोट चौराहे के पास निवासी चैतन्य प्रकाश पंवार, जैन गली जैन मंदिर के पास बयाना भरतपुर हॉल औषधिक नियंत्रक अधिकारी, कार्यालय औषधि नियंत्रक अधिकारी गुलाबबाग रोड उदयपुर धीरज शर्मा को भी मौके से गिरफ्तार किया। आरोपियों ने शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी की दुकान से कलेक्शन में से 8 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिए थे। ब्यूरो की टीम आरोपियों के निवास पर तलाशी कर रही है।

सत्यमेव जयते

राजस्थान-शासन

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौडगढ (राज.)

रेल्वे स्टेशन रोड, चित्तौडगढ ☎ व 🖷 01472-241587, E-Mail:- deochittor@rajexcise.net

क्रमांक : प.14/ आब./अभि./चित्तौड/2022-23/70 दिनांक : 14.06.2022

वाहन रिलीज हेतु अंतिम नोटिस आदेश

राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 के तहत चित्तौड़गढ़ जिले में पुलिस थाना/आबकारी थाना/आबकारी वृत्त कार्यालयों द्वारा दर्ज अभियोगों में अवैध मदिरा के परिवहन में काम में लिये गये वाहनों को जब्त किया गया है। आबकारी अधिनियम के अनुसार अवैध मदिरा के परिवहन में प्रयुक्त वाहन का अधिहरण (Confiscation) किया जा सकता है। राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 69(4) के प्रावधानों के अनुसार ऐसे वाहनों के अधिहरण (Confiscation) से पूर्व जुर्माना राशि (जो कि वाहन के बाजार मूल्य तक हो सकती है) अदा करने का आदेश जारी किया जा सकता है तथापि ऐसा करने से पूर्व वाहन स्वामी को सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाना आवश्यक होता है। चित्तौड़गढ़ जिले में निम्नलिखित आबकारी अभियोगों में जो वाहन जप्त किये गये, निम्नांकित वाहनों के पंजीकृत वाहन स्वामियों अथवा वित्तीय संस्थाऐ जो वाहन के (Hypothecation) आधार पर स्वामित्व का हित रखते हो अथवा अन्य कोई भी हितबद्ध व्यक्ति द्वारा वाहन को छुडवाने हेतु सक्षम अधिकारियों को आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं किया है। कुछ स्वामियों के नाम पते अज्ञात है। जिनकी सूची निम्न प्रकार है।

क्र. सं.	अभियोग संख्या व दिनांक	पुलिस थाना/ आबकारी थाना/ आबकारी वृत्त	वाहन का प्रकार व मॉडल वर्ष	वाहन रजिस्ट्रेशन नं./ ईजन नं./ चेचिस नं.	कार्यालय एवं अधिकारी का नाम जहां दिनांक 30.06.2022 तक वाहन छुडवाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है।
1	2	3	4	5	6
भारी मोटर वाहन (HMV)					
1	332/2017 दिनांक 24-12-2017	पुलिस थाना सदर चित्तौड़गढ़	ट्रक टाटा कंपनी	RJ-05-GB-0880 ई.न. MAT448022DAP09684 चे.न. 31L84135	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
2	150/ 2017 दिनांक 27-11-2017	पुलिस थाना बस्सी	टाटा ट्रक	RJ-35-GA-1270 ई.न. 40B62318395 चे.न. 426021GB2107127	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
3	13/2018 दिनांक 12-01-2018	पुलिस थाना गंगरार	ट्रक	HR-39-A-7493 ई.न. - चे.न. 444026DSZ114990	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
4	226/2018 दिनांक 21-07-2018	पुलिस थाना सदर निम्बाहेड़ा	कन्टेनर	RJ-18-GB-4494 ई.न. HAF7421241 चे.न. MB1AXGCDIHRAP8072	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
5	21/2019 दिनांक 09-02-2019	पुलिस थाना शम्भूपुरा	ट्रक अशोक लीलैण्ड कंपनी	RJ-09-GA-9274 ई.न. DAH2103947 चे.न. MBLAWJFCDRAH4063	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
6	83/2019 दिनांक 05-07-2019	पुलिस थाना पारसोली	टाटा मिनि ट्रक 709/38	RJ-08-GA-4239 ई.न. - 497TC84GXZ883073 चे.न. 386122GXZ811127	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
7	29/2020 दिनांक 05-02-2020	पुलिस थाना बेगू	टाटा कंपनी का ट्रक	RJ-14-GF-2747 ई.न. स्पष्ट नही चे.न. MAT448602H5D05991	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
8	82/2021 दिनांक 16-03-2021	पुलिस थाना सदर चित्तौड़गढ़	ट्रक एक पुराना भारत बैंज 1014	UP15-ET-1554 ई.न. MECO443AJJPO32197 चे.न. 400923P000906	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
9	24/2022 दिनांक 14-01-2022	पुलिस थाना सदर चित्तौड़गढ़	ट्रक टाटा कंपनी	GJ-25-T-9897 ई.न. 68TAA50011D62868656 चे.न. MAT466401A210049	आबकारी आयुक्त राजस्थान, उदयपुर
हल्के मोटर वाहन (LMV)					
1	87/ 2013 दिनांक 20-12-2013	पुलिस थाना भूपालसागर	पेजोरो कार	बिना नंबरी ई.न. जलने से स्पष्ट नहीं चे.न. MA702Y46W7A002094	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
2	249/2016 दिनांक 11-09-2016	पुलिस थाना गंगरार	पिकअप	RJ27-GB-8664 ई.न. JEB4E24718 चे.न. MA1YEZREKB6E84880	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
3	73/2017 दिनांक 18-05-2017	पुलिस थाना बस्सी	टाटा 407 पिकअप	RJ25-GA-0885 ई.न. 639468 चे.न. 38043	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
4	266/ 2017 दिनांक 23-09-2017	पुलिस थाना चन्देरिया	कार टाटा नैनो	RJ-09-CA-6289 ई.न. MAT612202AKG14691 चे.न. 273MPF103GZYK20289	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
5	68/2018 दिनांक 16-05-2018	पुलिस थाना मंगलवाड	टेम्पो	RJ-09-GA-7767 ई.न. PCH027486P चे.न MB1AA22E1CRP26710	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
6	254/ 2018 दिनांक 24-10-2018	पुलिस थाना रावतभाटा	मारूति वेन	RJ-14-UA-4166 ई.न. - चे.न. -	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
7	110/ 2019 दिनांक 10-08-2019	पुलिस थाना पारसोली	टैम्पो	RJ-09-GC-1748 ई.न. - 275IDI07BRYS21233 चे.न. - MT445553JZB09141	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
8	517/2019 दिनांक 2019	पुलिस थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़	जीप महिन्द्रा	RNW-4590 ई.न. DJ00316 चे.न. CJ500D4DJ0031	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
9'	106/2020 दिनांक 20-11-2020	पुलिस थाना भूपालसागर	सेन्ट्रो कार	RJ-19-CB-6305 ई.न. - चे.न. -	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
10	91/2020 दिनांक 12-04-2020	पुलिस थाना सदर निम्बाहेडा	अल्टो कार	RJ-09-CB-4027 ई.न. - F8DN5552188 चे.न. - MA3EUA61S0077924	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
11	25/2020 दिनांक 12-02-2020	पुलिस थाना रावतभाटा	पिकअप	RJ-20-G-7504 ई.न. - 497SP27AUZ804010 चे.न. - 374435AU2902880	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
12	437/ 2021 दिनांक 05-11-2021	पुलिस थाना सदर निम्बाहेड़ा	औमनी मारूति वेन	RJ-27-UA-1203 ई.न. -F8BIN3555577 चे.न. -MA3EVB11S00747398	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
13	55/ 2022 दिनांक 05-03-2022	पुलिस थाना चन्देरिया	कार क्रेटा	RJ-05-CC-6161 ई.न. -MALC281RLJM417822 चे.न. -D4FCJM600967	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
14	69/ 2022 दिनांक 28-11-2022	पुलिस थाना विजयपुर	मारूति वेन	RJ-09-UA-6280 ई.न. - F8BIN4815462 चे.न. - MA3EVB11SO1612316	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
15	75/ 2022 दिनांक 19-03-2022	पुलिस थाना रावतभाटा	जीप महिन्द्रा	RJ-06-C-2912 ई.न. -DU175376 चे.न. -DU175376	अतिरिक्त आयुक्त, आबकारी जोन, उदयपुर
दुपहिया वाहन (Two Whiler)					
1	44/ 2015 दिनांक 27-02-2015	पुलिस थाना गंगरार	मोटर साईकिल हिरो	बिना नंबरी ई.न. -स्पष्ट नही चे.न. -स्पष्ट नही	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
2	281/ 2017 दिनांक 17-11-2017	पुलिस थाना रावतभाटा	मोटर साईकिल बजाज प्लेटिना	RJ-20-SA-0341 ई.न. DUMBRC21273 चे.न. MDZDDDZZRWC08915	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
3	22/ 2018 दिनांक 21-05-2018	पुलिस थाना कनेरा	मोटर साईकिल हिरो होण्डा पेशन प्रो	RJ-09-SJ-5275 ई.न. HA10EDBGA04022 चे.न. MBLHA10EWBGA27750	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
4	61/ 2018 दिनांक 29-03-2018	पुलिस थाना रावतभाटा	मोटर साईकिल बजाज प्लेटिना	बिना नंबरी ई.न. DZUBTH28945 चे.न. MDZDDZZZTPH24059	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
5	93/ 2019 दिनांक 04-06-2019	पुलिस थाना शम्भूपुरा	एक्टीवा स्कूटी	RJ-09-DS-5777 ई.न. JF50E75417243 चे.न. ME4JF507LH7417198	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
6	27/ 2019 दिनांक 19-03-2019	पुलिस थाना बस्सी	मोटर साईकिल बजाज सीटी 100	RJ-09-SX-5669 ई.न. DUZEFG63136 चे.न. MD2A1BAZ6FPG13007	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
7	312/2019 दिनांक 07-11-2019	पुलिस थाना गंगरार	मोटर साईकिल हीरो होण्डा सीडी 100	बिना नंबरी ई.न. स्पष्ट नही चे.न स्पष्ट नही	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
8	184/2020 दिनांक 20-04-2020	पुलिस थाना कोतवाली निम्बाहेडा	मोटर साईकिल हिरो होण्डा सीडी डॉन	RJ-09-SA-1943 ई.न. 05E27E3082 चे.न. 05E2302381	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
9	91/2020 दिनांक 07-05-2020	पुलिस थाना बडीसादडी	मोटर साईकिल हिरो होण्डा स्पेलेण्डर प्लस	RJ-27-M-0143 ई.न. 04M15E43520 चे.न. 04M16F43089	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़
10	212/2020 दिनांक	पुलिस थाना कोतवाली चितौड़गढ़	स्कुटी हिरो मेस्ट्रो	RJ-09-AS-3129 ई.न. JF33AAG4J14529 चे.न. MBLJF33AAG4J14737	जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़

अत: सर्व साधारण को इस आम सूचना के तहत सूचित किया जाता है कि चित्तौड़गढ़ जिले में आबकारी अभियोगों में जप्त निम्नलिखित वाहनों के पंजीकृत स्वामी अथवा ऐसी वित्तीय संस्थाऐ (Hypothecation) के आधार पर स्वामित्व रखती हो अथवा वाहन से संबंधित अन्य कोई भी हितबद्ध व्यक्ति वाहन के संबंध में अपना पक्ष रखना चाहता है, छुडवाना चाहता है तो वह दिनांक 30.06.2022 तक कॉलम संख्या छ: में वर्णित कार्यालय एवं अधिकारी के समक्ष वाहन के स्वामित्व बाबत् पूर्ण दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा दिनांक 30.06.2022 के पश्चात् एक पक्षिय निर्णय लिया जाकर वाहन को राजसात (Confiscation) किया जा कर जप्त वाहनों की निलामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी वाहन स्वामी की होगी। अत: संबंधित सूचित रहें। उक्त संदर्भ में इस कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

(मुकेश देवपुरा)
जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़

जयपुर की सबसे लंबी सोडाला एलिवेटेड रोड पर लोड टेस्टिंग शुरू

150 टन की क्षमता वाली इस रोड पर 232 टन के 8 ट्रक खड़े किये, जो कि अगले 3 दिन तक यहीं पर खड़े रहेंगे

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर की सबसे लंबी सोडाला एलीवेटेड रोड पर मंगलवार से लोड टेस्ट का काम शुरू हो गया है। जेडीए प्रशासन ने 22 गोदाम सर्किल के पास पुलिया पर 8 मिट्टी से भरे डम्परों को खड़ा करके इस एलीवेटेड रोड की मजबूती की जांच-परख शुरू कर दी है। अगले 3 दिन तक ये टेस्ट चलेगा, जिसमें अधिकतम 250 टन तक का लोड बढ़ाया जाएगा।

- **जून महीने के अंत तक अजमेर रोड पुलिया से इस एलिवेटेड रोड को जोड़ने का काम पूरा होगा**

राजधानी जयपुर की सबसे लंबी सोडाला एलीवेटेड रोड पर मंगलवार से लोड टेस्टिंग का काम शुरू हो गया है।

जयपुर जेडीए के अधिशाषी अभियंता विवेक शर्मा ने बताया कि इस एलीवेटेड रोड को करीब 150 टन की कैपेसिटी के हिसाब से डिजाइन किया गया है और इस पर हमने अभी डेढ़ गुना यानी 232 टन का लोड टेस्ट करना शुरू कर दिया है। इसके लिए 28-28 टन वजन वाले 8 ट्रेलर 2 स्पान के बीच खड़े किए है। एमएनआईटी के इंजीनीयरों की टीम भी इस लोड टेस्ट की मॉनिटरिंग कर रही है।

अम्बेडकर सर्किल से शुरू होकर सोडाला तिराहे तक बन रही इस एलीवेटेड रोड पर का एक हिस्सा अजमेर रोड एलीवेटेड रोड से कनेक्ट किया जाएगा, हालांकि फिलहाल इसका काम अभी चल रहा है और जून महीने के आखिर तक इसे पूरा कर लेंगे। जुलाई में इस एलीवेटेड रोड के दूसरे हिस्से पर लोड टेस्ट करवाया जाएगा। चम्बल पॉवर हाउस, राममंदिर सर्किल, रेलवे ट्रेक के ऊपर समेत कई जगह लोड टेस्ट करने के बाद इसे आमजन के लिए खोला जाएगा। इसके अलावा अभी रेलवे लाइन के पास एक आखिरी स्पान की कनेक्टिविटी का काम भी बचा है।

उन्होंने बताया कि इस एलिवेटेड रोड के बनने से जयपुर में 22 गोदाम, हवा सड़क और सोडला तिराहे पर दिनभर लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी। फिलहाल अम्बेडकर सर्किल से 22 गोदाम सर्किल, हवा सड़क होते हुए सोडाला सब्जी मंडी पहुंचने में करीब 20 से 25 मिनट का समय लगता है। यह एलिवेटेड के बनने के बाद महज 10 मिनट में यह सफर पूरा हो जाएगा।

सांवराद में श्रद्धांजलि सभा और 24 को

जयपुर। आनन्दपाल सिंह और बलवीर सिंह बानूड़ा की पुण्यतिथि पर नागौर स्थित सांवराद में 24 जून को विशाल श्रद्धांजलि सभा और रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। एबी डोनर्स की तरफ से ये कार्यक्रम लगातार पिछले तीन साल से आयोजित जो रहा है। इसे लेकर मंगलवार सुबह राजपूत सभा भवन में राजपूत सभा अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई और महामंत्री बलवीर सिंह हाथौज द्वारा पोस्टर विमोचन किया गया। एबी डोनर्स के संरक्षक मंजीतपाल सिंह सांवराद ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा व सुशासन की दिशा में कार्यरत एबी डोनर्स संस्था समाज कल्याण में रक्तदान के प्रति जागरुकता के काम में जुटी है। खुद आनन्दपाल सिंह भी हमेशा रक्तदान करने और करवाने के लिए लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करते थे।

मंजीतपाल सिंह ने बताया कि इसलिए सर्वसमाज की ओर से 24 जून को आनन्दपाल की पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर, श्रद्धांजलि सभा व आभार सभा का आयोजन ग्राम सांवराद नागौर में रखा गया है। इस आयोजन में जहां करीब एक लाख लोगों के शामिल होने की तैयारी है। वहीं रक्तदान शिविर में भी कम से कम 20 से 25 हजार यूनिट रक्त संग्रहीत करने का लक्ष्य रखा गया है।

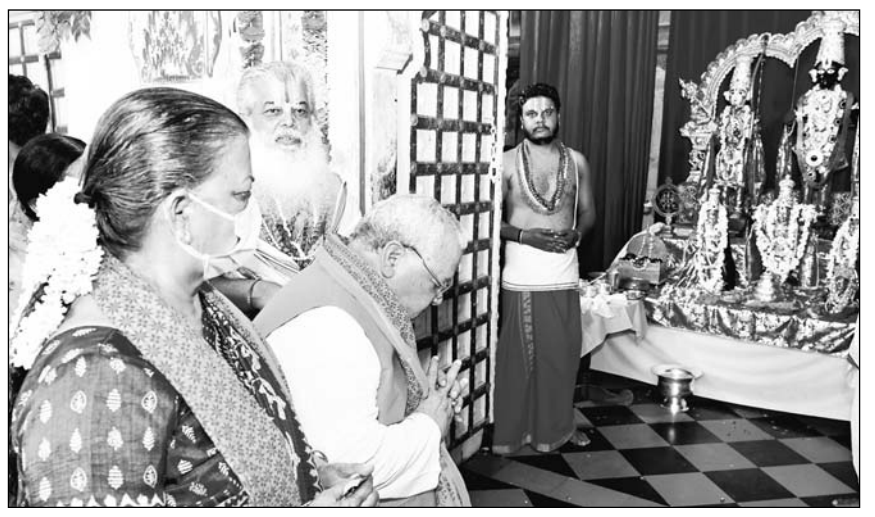

राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को घाट के बालाजी और गलता पीठ मंदिर में दर्शन किए। राज्यपाल ने राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र एवं परिवारजनों के साथ पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। राज्यपाल ने घाट के बालाजी में हनुमान चालीसा का पाठ कर विधिवत मंत्रोच्चार के बीच भगवान की स्तुति की। गलता तीर्थ के महंत स्वामी अवधेशाचार्य से उन्होंने धर्म-अध्यात्म पर संवाद भी किया।

'अवैध खनन गतिविधियों पर रोक की नीति पर चलेगा विभाग'

जयपुर, (का.सं.)। राज्य में राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम और मानक संचालन प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि राज्य सरकार ने इसके लिए निदेशक माइंस की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया है जिसे जल्दी ही अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। एसीएस माइंस डा. सुबोध अग्रवाल मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माइंस विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में प्रदेश को अग्रगामी प्रदेश बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने निवेशोन्मुखी, रोजगारपरक, अधिक राजस्व संग्रहण करने वाले सरलीकृत नियम बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं और उसी का परिणाम है कि इसी माह प्रदेश में जिप्सम मिनरल के डीलर्स के पंजीयन और ईटीपी प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

करोना महामारी से सीकर में एक रोगी की मौत

जयपुर(कासं)। प्रदेश में मंगलवार को करोना संक्रमितों की संख्या में एक बार फिर मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। पूरे राज्य में 88 नए मरीज मिले हैं, जबकि सीकर में एक रोगी की मौत भी हुई है। दूसरी तरफ 34 मरीज रिकवर भी हुए है, ऐसे में फिलहाल एक्टिव मरीजों की संख्या 596 बची है।

- **प्रदेश में 88 नए करोना संक्रमित मिले, 34 रिकवर हुए**

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को 13 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले। इनमें सबसे ज्यादा 46 रोगी जयपुर जिले में मिले हैं, लेकिन यहां आज एक भी मरीज रिकवर नहीं हुआ। इसके अलावा अलवर में 13, चूरू में 5, नागौर में 4, बीकानेर, चित्तौडगढ़, उदयपुर और जोधपुर में 3-3 तथा बारां, गंगानगर, झालावाड़ और सवाईमाधोपुर में एक-एक संक्रमित रोगी मिला है। प्रदेश में अब तक करोना महामारी से मरने वालों की संख्या 9 हजार 560 हो गई है।

उधर जयपुर में मिले 46 रोगियों में सबसे ज्यादा 9 मरीज मानसरोवर में मिले हैं। इसके अलावा सोडाला में 5, आदर्श नगर, सी स्कीम, सांगानेर में 3-3, बनीपार्क, गोपालपुरा, जगतपुरा, जवाहर नगर, सिंधी कैंप और विद्याधर नगर में 2-2 तथा बस्सी, सिविल लाइन्स, किरण पथ, कोटपुतली, मुरलीपुरा, राजापार्क, शास्त्री नगर और वैशाली नगर में एक-एक संक्रमित मिला है। फिलहाल जयपुर जिले में एक्टिव केस की संख्या 323 है।

जयपुर डिस्कॉम में 9 को अनुकम्पा नियुक्ति

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर डिस्कॉम में निगम के मृतक कर्मचारियों के 9 आश्रितों को अनुकम्पात्मक आधार पर परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी के रुप में विभिन्न पदों पर नियुक्ति प्रदान की है। सभी को अपने पदस्थापित स्थान पर आदेश जारी होने की तिथि से एक माह में कार्यग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक अजीत कुमार सक्सैना ने बताया कि निगम के मृतक कर्मचारियों के आश्रितों के प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करते हुये 6 को वाणिज्यिक सहायक द्वितीय के पद पर एवं 3 को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर नियुक्ति दी गई है।

निगम द्वारा मंगलवार 14 जून को जारी आदेश के अनुसार सभी को दो वर्ष की परीवीक्षाकाल अवधि पर अस्थाई नियुक्ति दी गई है।

भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले अब ड्रामेबाजी पर उतारू हैं : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा राहुल गांधी से पूछताछ पर कांग्रेस के नेता सत्याग्रह का जो ढोंग रच रहे हैं, उससे कांग्रेस व भ्रष्टाचार का बेजोड़ गठबंधन एक बार पुन: प्रदर्शित हो गया है। राठौड़ ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटासरा सहित अन्य नेता राहुल गांधी के मामले को जानबूझकर हाइलाइट कर दिल्ली दरबार में अपनी उपस्थिति को लेकर बेचैन दिख रहे हैं। आपदा को अवसर में बदलकर राज्य के कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं का रातों-रात दिल्ली पहुंचने की कोशिश करना इसका प्रमाण है।

राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2012 में सोनिया गांधी व राहुल गांधी पर यंग इंडिया लिमिटेड के माध्यम से नेशनल हेराल्ड की मूल कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का गलत तरीके से अधिग्रहण एवं इसकी करीब 2 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति कब्जाने का आरोप लगा था। भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले अब ड्रामेबाजी पर उतारू हैं, इससे बड़ा दुर्भाग्य नहीं हो सकता है। राठौड़ ने कहा कि हिन्दुस्तान की जनता की संपत्ति को अवैध तरीक से गांधी परिवार ने हड़पने की जो साजिश रची थी, अब उसका पर्दाफाश होने के डर से भ्रष्टाचार के समर्थन में कांग्रेस सड़क पर उतर आई है। इसके साथ ही गांधी परिवार के चापलूसी नेता इस मामले को अनावश्यक रूप से तूल देकर राहुल गांधी को रीलॉन्च करने की कोशिश कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय देश में आर्थिक अपराधों पर नकेल कसने वाली संस्था है जिस पर बेजा दबाव बनाने की कोशिश गांधी परिवार के इशारे पर की जा रही है। अगर राहुल गांधी ने कोई अपराध नहीं किया है तो वह ईडी के सवालों का जवाब देने से कतरा क्यों रहे हैं? ईडी के समक्ष पेश होने से पहले कांग्रेस नेताओं का बेवजह का तमाशा करना साफ स्पष्ट कर रहा है कि "चोर की ढाढी में तिनका।"

सभी जिलों में जल्द स्थापित होंगे साइबर पुलिस स्टेशन

जयपुर, (का.सं.)। साइबर अपराधों पर प्रभावी रोकथाम एवं आमजन को साइबर खतरों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में साइबर पुलिस स्टेशन की स्थापना शीघ्र की जाएगी, इस दिशा में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। गृह विभाग ने इन थानों के लिए आवश्यक मानवीय संसाधन एवं उपकरणों के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है।

- **480 पदों के सृजन को मंजूरी**

जयपुर में पहले से ही साइबर थाना कार्यरत है। शेष 32 राजस्व जिलों के लिए राज्य सरकार ने प्रति थाना 15 नए पदों के अनुसार कुल 480 नए पदों के सृजन की मंजूरी प्रदान की है। प्रत्येक थाने में उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस निरीक्षक, कांस्टेबल चालक, सूचना सहायक एवं प्रोग्रामर/डाटा एनालिस्ट का एक-एक पद, पुलिस उप निरीक्षक के 3 पद, हैड कांस्टेबल के 2 पद तथा कानिस्टेबल के 5 पद स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही इन नए थानों के लिए आवश्यक विभिन्न संसाधनों एवं उपकरणों के लिए करीब 2 करोड़ 47 लाख रूपए की वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान की है।

रक्तदान से बड़ा पुनीत कोई कार्य नहीं है : परसादी लाल मीणा

जयपुर। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य भवन में आयोजित रक्तदाताओं एवं स्वयसेवी संस्थाओं के सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि रक्त की कोई कीमत नहीं होती है।

रक्तदान से किसी का जीवन बचता है, इससे बड़ा पुनीत कार्य कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि नौजवान और संस्थाएं बधाई के पात्र है जो रक्तदान की दिशा में लगातार आगे आ रहे हैं। शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग डॉ. पृथ्वी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह बड़े गर्व की बात है कि प्रदेश के हर कोने से लोग रक्तदान के लिए सम्मानित हुए हैं।

किसानों के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था करें : लाल चंद कटारिया

जयपुर, (का.सं.)। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने राज्य के सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य में मानसून आगमन का समय समीप है। इसको देखते हुए किसानों के लिए खाद एवं बीज की तुरन्त व्यवस्था कर उनका वितरण करना सुनिश्चित करें। कटारिया मंगलवार को कृषि आयुक्तालय में खरीफ वर्ष 2022 की आदान व्यवस्था एवं वर्ष 2022-23 की बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में राज्य के सभी जिलों से कृषि अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से भाग लिया।

- **'निःशुल्क बीज मिनिकिट्स का हो तुरन्त वितरण'**

वीडियो कॉन्फ्रेन्स में कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्पष्ट कर दिया है कि काश्तकारों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं में किसी प्रकार की कोताही या अनियमितता बर्दाश्त नही की जायेगी। उन्होंने कहा कि खरीफ की बुआई शीघ्र होने वाली है,कई जिलों में अच्छी बारिश भी हो गई है। सभी किसान मानसून आते ही एक साथ काम पर लग जायेंगे। ऐसे में उन्हें मिलने वाले बीज एवं खाद की व्यवस्था जल्द से जल्द कर ली जाये। कटारिया ने कहा कि किसान कल्याणकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा प्रचार होना चाहिए और छोटे किसानों को इन योजनाओं का लाभ अवश्य मिलना चाहिए।

कृषि मंत्री ने किसानों को मिलने वाले नि:शुल्क बीज मिनिकिट्स के तुरन्त वितरण के निर्देश देते हुए कहा कि समय पर किसानों को बीज उपलब्ध होंगे तभी उनको सही मायने में फायदा मिल सकेगा। उन्होंने खेतों की तारबंदी का टारगेट समय पर पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अनुदान पर मिलने वाले कृषि उपकरणों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। खेतों में लगे पाईप लाईनों की क्वालिटी बेहतर होना जरूरी है तथा इनकी नियमित जांच की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कि उर्वरकों का आपूर्ति वितरण सुचारू एवं पारदर्शी तरीके से किया जाये। कृषि मंत्री ने निर्देश दिये कि राज्य में खुल रहे29राजकीय कृषि महाविद्यालयों के लिए जिला कलक्टरों एवं स्थानीय विधायकों से समन्वय कर भूमि आवंटन की कार्यवाही शीघ्र करें। उन्होंने कहा कि राज्य के किसान जल संरक्षण पर काफी जागरूक हो गये हैं और फार्म पौण्ड में विशेष रूचि ले रहे हैं। राज्य में खुले कस्टम हायरिंग केन्द्रों से ट्रेक्टर किराये पर लेकर किसान आधी कीमत पर अपने खेतों में जुताई कर रहे हैं।

बरनाला एवं तलावड़ा तहसील में क्रमोन्नत

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सवाई माधोपुर जिले की बरनाला एवं तलावड़ा उप-तहसील को तहसील में क्रमोन्नत करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

गहलोत के इस निर्णय से लोगों को स्थानीय स्तर पर ही राजस्व कार्यों के निस्तारण में सुगमता होगी। क्रमोन्नयन के बाद तहसील बरनाला में 4 भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त, 17 पटवार मण्डल एवं 53 राजस्व ग्राम तथा तलावड़ा में 2 भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त, 8 पटवार मण्डल एवं 33 राजस्व ग्राम शामिल होंगे।

हर जिले में बनने वाली लवकुश वाटिका की विस्तृत कार्य योजना 21 तैयार करने के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। वन विभाग के प्रमुख शासन सचिव शिखर अग्रवाल की अध्यक्षता मंगलवार को जयपुर स्थित आरण्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वन विभाग की बजट घोषणा एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं समयबद्ध ढंग से बेहतर क्रियान्विति को लेकर समीक्षा बैठक ली। प्रमुख शासन सचिव ने उप वन संरक्षकों को निर्देशित किया कि ऐसी वनाच्छादित जमीन जो वन विभाग के कब्जे में है, उसका सर्वे एवं जिला प्रशासन से समन्वय कर इस माह के अंत तक वन विभाग के नाम अमल दरामद कराएं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ईको सिस्टम को बढ़ावा देने तथा वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के लिए प्रत्येक जिले में बनने वाली लव-कुश वाटिका की विस्तृत कार्ययोजना 21 तक तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन वाटिकाओं का निर्माण इस तरह से करें कि यहां आने वाले लोगों को प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा अहसास हो। उन्होंने 6 जिलों में बनने वाले बॉटनिकल गार्डन की व्यापक कार्ययोजना 15 जुलाई तक बनाने के निर्देश दिए, ताकि शीघ्र ही इनका निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके। उन्होंने विधानसभा से संबंधित लम्बित प्रश्न तय समय में निस्तारित करने के निर्देश दिए।

60 हजार से अधिक स्कूलों को नल कनेक्शन से जोड़ा

जयपुर, (का.सं.)। जल जीवन मिशन में राजस्थान अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। करीब 26 लाख 30 हजार घरों को नल कनेक्शन से जोड़ने के साथ ही प्रदेश में 9 हजार 580 हैल्थ सेंटर्स को नलों के माध्यम से पेयजल कनेक्शन से जोड़ा जा चुका है। संख्या के आधार पर देखें तो हैल्थ सेंटर्स को जल कनेक्शन से जोड़ने में राजस्थान पूरे देश में पहले स्थान पर है। इतना ही नहीं, 86 हजार 217 स्कूलों में से 60 हजार 772 यानी करीब 68 फीसदी स्कूलों को नल के माध्यम से पेयजल मिलने लगा है। स्कूलों को जल कनेक्शन से जोड़ने की संख्या के आधार पर प्रदेश पांचवे स्थान पर है।

करो मरो के मुकाबले में पटेल व चहल के दम पर भारत जीता

तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 48 रन से हराया

पांच मैचों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका 2-1 से आगे

विशाखापत्तनम, 14 जून। सलामी बल्लेबाजों ऋतुराज गायकवाड (57) और ईशान किशन (54) के शानदार अर्धशतकों के बाद तेज गेंदबाज हर्षल पटेल (29 रन पर चार विकेट) और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल (20 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी 20 में मंगलवार को 48 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में खुद को जिन्दा रखा।

भारत ने पांच विकेट पर 179 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को 19.1 ओवर में 131 रन पर ढेर कर शानदार जीत अपने नाम की। हालांकि यह मैच हारने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका सीरीज में 2-1 से आगे है। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को उसके ओपनरों ने 97 रन की शानदार शुरुआत दी। उस समय ऐसा लग रहा था कि भारत 200 के ऊपर जाएगा लेकिन दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए लगातार विकेट निकाले और भारत को 179 रन पर रोक दिया। गायकवाड ने 35 गेंदों पर 57 रन में सात चौके और दो छक्के लगाए जबकि किशन ने 35 गेंदों पर 54 रन में पांच चौके और दो छक्के लगाए। श्रेयस अय्यर ने 11 गेंदों में दो छक्कों के सहारे 14 रन बनाये। पांड्या ने 21 गेंदों पर 31 रन में चार चौके लगाए। कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर फ्लॉप रहे और आठ गेंदों में छह रन बनाकर आउट हुए। दिनेश कार्तिक ने छह और अक्षर पटेल ने नाबाद पांच रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से ड्वेन प्रिटोरियस ने 29 रन पर दो विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेहमान टीम को भारतीय गेंदबाजों ने अपने शानदार प्रदर्शन से लगातार दबाव में रखा। अपनी लय में दिखाई दे रहे चहल ने दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के तीन विकेट चटकाकर उसकी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। रही सही कसर हर्षल ने पहले मैच के हीरो डेविड मिलर को आउट कर पूरी कर दी। चहल ने ड्वेन प्रिटोरियस, रैसी वान डेर डुसेन और पिछले मैच के हीरो हेनरिक क्लासेन के विकेट निकाले। क्लासेन ने 24 गेंदों पर सर्वाधिक 29 रन बनाये। वेन पार्नेल 18 गेंदों में 22 रन बनाकर नाबाद रहे। रीजा हेंड्रिक्स ने 23 और प्रेटोरियस ने 20 रन बनाये।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
रूतुराज गायकवाड़ का और बो महाराज	57	35	7	2
ईशान किशन का हेंडरिक्स बो प्रिटोरियस	54	35	5	2
श्रेयस अय्यर का नॉर्किया बो शम्सी	14	11	0	2
ऋषभ पंत का बावुमा बो प्रिटोरियस	6	8	0	0
हार्दिक पंड्या नाबाद	31	21	4	0
दिनेश कार्तिक का परनेल बो रबाडा	6	8	0	0
अक्षर पटेल नाबाद	5	2	1	0
अतिरिक्त :	6 रन			
कुल : 20 ओवर में पांच विकेट पर 179 रन				
विकेट पतन : 1-97, 2-128, 3-131, 4-143, 5-158				
गेंदबाजी : रबाडा 4-0-31-1, परनेल 4-0-32-0, नॉर्किया 2-0-23-0, प्रिटोरियस 4-0-29-2, शम्सी 4-0-36-1, महाराज 2-0-24-1				

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
बावुमा का आवेश बो अक्षर	8	10	0	0
हैंड्रिक्स का चहल बो हर्षल	23	20	2	1
प्रीटोरियस का पंत बो चहल	20	16	2	1
ड्यूसेन का पंत बो चहल	1	4	0	0
क्लासेन का अक्षर बो चहल	29	24	3	1
मिलर का रितुराज बो हर्षल	3	5	0	0
परनेल बो नाबाद	22	18	2	0
रबाडा का चहल बो हर्षल	9	8	1	0
महाराज का कार्तिक बो भुवनेश्वर	11	8	0	1
नॉर्त्जे रन आउट	0	1	0	0
शम्सी का आवेश बो हर्षल	01	0	0	
अतिरिक्त :	5			
कुल : 19.1 ओवर में 131 रन पर ऑलआउट				
विकेट पतन : 1-23, 2-38, 3-40, 4-57, 5-71, 6-100, 7-113, 8-126, 9-131, 10-131				
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-21-1, आवेश 4-0-35-0, अक्षर 4-0-28-1, चहल 4-0-20-3, हर्षल 3.1-0-25-4				

डिजिटल अधिकारों की कीमत के कारण बोली नहीं लगायी : डिजनी

मुंबई, 14 जून। डिज़्नी स्टार ने आईपीएल की 2023-27 साइकिल की नीलामी में डिजिटल अधिकारों के लिये बोली न लगाने की वजह बताते हुए मंगलवार को कहा कि उन्होंने आवश्यक कीमत को देखते हुए डिजिटल अधिकारों के साथ आगे न बढ़ने का फैसला लिया।

डिज़्नी स्टार ने 23,575 करोड़ रुपये की बोली लगाकर टीवी प्रसारण अधिकार हासिल किये, जबकि डिजिटल अधिकार वायकॉम18 ने 25,758 करोड़ रुपये में जीते। डिज़्नी स्टार ने एक प्रेस विज्ञिप्त जारी करते हुए कहा, "हमें इंडियन प्रीमियर लीग के साथ अपने जुड़ाव का विस्तार करके खुशी हो रही है। हम टेलीविजन चैनलों के अपने पोर्टफोलियो में अगले पांच सत्रों में आईपीएल की पेशकश करने के लिए तत्पर हैं। हमने लंबी अवधि के मूल्य पर ध्यान देते हुए अनुशासित बोलियां लगाईं।" कंपनी ने कहा, "हमने डिजिटल पैकेज को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कीमत को देखते हुए डिजिटल अधिकारों के साथ आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया। आईपीएल भारत में टेलीविजन चैनलों के हमारे पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण घटक है।

बेयरस्टो का तूफानी शतक, इंग्लैंड ने जीता दूसरा टेस्ट

नॉटिंघम, 14 जून। जानी बेयरस्टो (92 गेंदों में 136) की तूफानी शतकीय पारी की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में पांचवें और अंतिम दिन मंगलवार को पांच विकेट से हराकर दूसरा टेस्ट मैच पांच विकेट से जीत लिया और तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली। न्यूज़ीलैंड ने ट्रेंट ब्रिज में दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के सामने 72 ओवर में जीत के लिए 299 रन का लक्ष्य रखा और इंग्लैंड ने 50 ओवर में पांच विकेट पर 299 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

बेयरस्टो ने कमाल की पारी खेलते हुए मात्र 92 गेंदों में 14 चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 136 रन ठोके। कप्तान बेन स्टोक्स ने 70 गेंदों में 10 चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 75 रन ठोके और टीम को जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही थी और उसने अपने चार विकेट 93 रन पर गंवा दिए थे लेकिन बेयरस्टो और स्टोक्स ने पांचवें विकेट के लिए 179 रन जोड़े। बेयरस्टो का विकेट गिरने के बाद स्टोक्स ने आराम से टीम को जीत की मंजिल पर पहुंचाया। न्यूज़ीलैंड ने मैच की पहली पारी में डैरिल मिचेल (190) और टॉम ब्लंडेल (106) की बदौलत 553 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने जो रूट (176) और ओली पोप (145) की बल्लेबाज़ी पर सवार होकर 539 रन जोड़े।

दूसरी पारी में 14 रन की बढ़त के साथ बल्लेबाज़ी करने उतरी न्यूज़ीलैंड 284 रन पर ऑल आउट हो गयी। कीवियों के लिये डैरिल मिचेल ने सर्वाधिक 62 रन बनाये। इसके अलावा विल यंग ने 56 और डेवन कॉनवे ने 52 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड के लिये स्टुअर्ट ब्रॉड ने तीन विकेट लिये, जबकि जेम्स एंडरसन और मैथ्यू पॉट्स को 2-2 विकेट मिले। जैक लीच ने भी एक विकेट हासिल किया।

निशा कंवर ने जीते दोहरा स्वर्ण

जयपुर, 14 जून। 20वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल सूटिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान की बेटिया निशा कंवर, माननी कौशिक, आत्मिका गुप्ता ने धमाकेदार प्रदर्शन कर व्यक्तिगत 1 स्वणरू, 1 रजत व टीम का 1 स्वर्ण जीत कुल 3 पदक जीतकर राजस्थान का नाम रोशन किया।

'हाइवे पर धरना दे रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस ने देर रात हमला किया'

मांग को लेकर एनएच-52 जाम करने वाले आंदोलनकारियों ने लगाया पुलिस पर आरोप

बून्दी, (निसं)। सोमवार बसोली मोड़ पर रॉयल्टी नाके को हटाने व हिण्डोली थानाधिकारी को निलंबित किये जाने की मांग को लेकर पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल की अगुवाई में शुरू हुआ धरना मंगलवार रात 3 बजे पुलिस के लाठीचार्ज के बाद खत्म हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसोली मोड पर आंदोलनकारियों द्वारा लगाये जाम को पुलिस ने मंगलवार को रात 3 बजे बल प्रयोग करके हटवा दिया। दरअसल सोमवार रात जिला कलेक्टर रेणु जयपाल, एसपी यादव बसोली चैराहे पर पहुंचे जहां आंदोलनकारियो के प्रतिनिधिमंडल जिसमें रुपेश शर्मा, मनमोहन धाबाई, सीपी गुंजल, अजय गुर्जर की कलेक्टर से आंदोलन समाप्त करने को लेकर बातचीत हुई लेकिल प्रशासन के मांगे नहीं माने जाने के चलते वार्ता विफल हो गई। जिला कलक्टर रेणु जयपाल ने आंदोलनकारियों से कहा कि मामला राज्य सरकार के स्तर का है सरकार के आदेश के बिना नहीं हटाया जा सकता।

इसके बाद पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल और भाजपा नेता रुपेश शर्मा के नेतृत्व में एनएच 52 सड़क जाम कर प्रदर्शनकारी सड़क पर ही डटे हुए थे और रात को सो रहे थे तभी पुलिस ने अचानक 3 बजे के करीब लोगों पर सोते हुए लाठीचार्ज कर दिया। जिससे वहां पर भगड़ मच गई और लोग सड़क छोड़ भागे। इसके बाद पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल और रुपेश शर्मा सहित कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद पुलिस से सुबह 5 बजे पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल व भाजपा नेता रूपेश शर्मा को कोटा स्थित गुंजल के आवास पर छोड़ दिया। पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज में कई लोगों को गंभीर चोट आई हैं, तो कई लोगों को हल्की चोटें लगी हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सोते हुए लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। वहीं पुलिस लाठी चार्ज करने से मना कर रही है। आंदोलनकारियों को पुलिस द्वारा खदेड़ने के बाद नेशनल हाईवे को खोल दिया गया है और अब एक बार फिर से वाहन सरपट दौड़ रहे हैं। प्रदर्शनकारी जब पुलिस के चंगुल से बाहर आएंगे तो उस समय क्या हुआ था इसका पता चल पायेगा। फिलहाल नेशनल हाईवे नंबर 52 जयपुर कोटा हाईवे खुलने के बाद यात्रियों और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है।

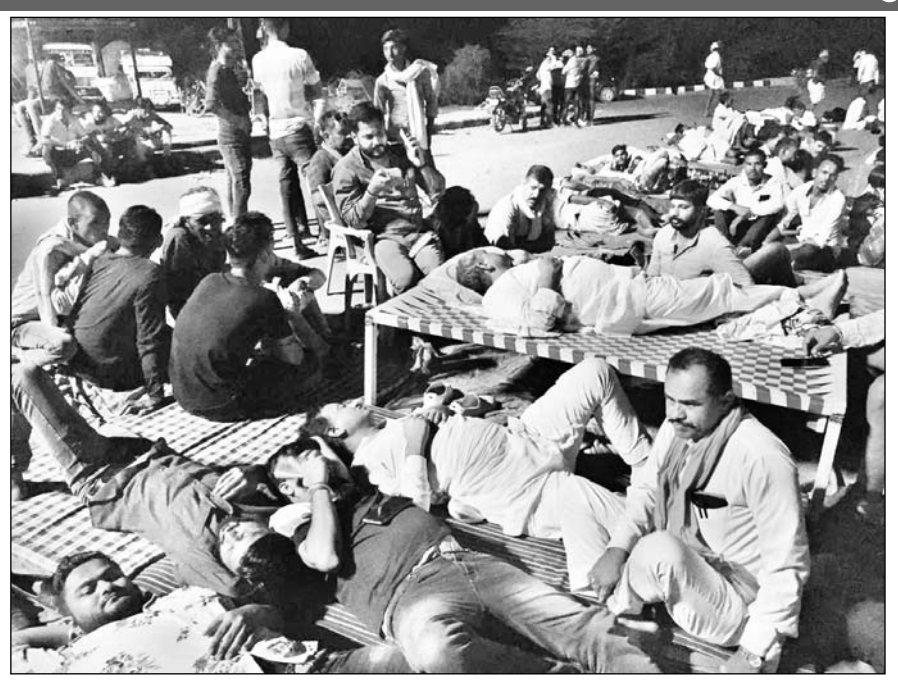

खदेड़े जाने से पहले आंदोलनकारियों ने चारपाई बिछाकर हाइवे को जाम कर रखा था।

- गुंजल को सुबह पांच बजे कोटा छोड़ा
- बसोली मोड़ पर रॉयल्टी नाका हटाने व हिण्डोली थानाधिकारी को निलंबित करने की कर रहे थे मांग

37 आंदोलनकारियो पर मुकदमा दर्ज:- हिंडोली थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे 52 को जाम करने के आरोप में 37 आंदोलनकारियो के खिलाफ गंभीर गैर जमानती धाराओं में किया मुकदमा दर्ज किया है। वहीं रुपेश शर्मा ओम धगाल, पूर्व चेयरमैन भगवान लाडला, सथूर के पूर्व सरंपच मनमोहन धाबाई समेत अन्य लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम धारा 8 ख में मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रहलाद गुंजल पूर्व विधायक ने बताया कि पुलिस से सोते हुए लोगों पर हमला बोला। लोगों ने खेतों व जंगलों में भागकर जान बचाई। मुझे जब गिरफ्तार करने आये जब मेरे इर्द-गिई सो रहे लोगों पर लाठियां बरसाई गई। सरकार माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करना चाहती बल्कि जो माफियाओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं उनका दमन करना चाहती है। लड़ाई खत्म नहीं हुई है। दो तीन दिन में हिण्डोली में प्रमुख लोगों की बैठक लेंगे और बड़े आंदोलन रूपरेखा बनायेंगे। बजरी माफिया की होटल में सरकार ने 42 की खातिरी करवाकर अपनी कुर्सी को बचाया था। सरकार बजरी माफिया के हितों की सुरक्षा कर रही है।

शिक्षा विभाग बना रहा ट्रांसफर पॉलिसी की गाइडलाइन

एक बार फिर जयपुर में लगेंगे केंप, ग्रेड थर्ड के तबादलों पर संकट

बीकानेर, (कासं)। टीचर्स ट्रांसफर के लिए हर बार की तरह इस बार भी जयपुर में कैंप लगेंगे। ट्रांसफर पॉलिसी नहीं बनने के कारण जनरल गाइडलाइन तय की जा रही है, जिसके आधार पर हजारों की संख्या में टीचर्स को इधर से उधर करने की कवायद होगी। ट्रांसफर का सबसे बड़ा आधार क्षेत्र के कांग्रेस या फिर सरकार समर्थक विधायक की डिजायर होगी। सब कुछ सही रहा तो बीस जून से पहले जयपुर में ये कैंप शुरू हो जाएगा।

बार बार घोषणा के बाद भी शिक्षा विभाग ट्रांसफर पॉलिसी तैयार नहीं हो पाई है, ऐसे में मार्गदर्शन जारी किए जाएंगे। ट्रांसफर का आधार इन्हीं निर्देशों को बनाया जाएगा, हालांकि कोई तय नीति नहीं होने के कारण सरकार के निर्देश पर इनसे हटकर भी ट्रांसफर हो सकते हैं। ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर को लेकर अब तक संशय बना हुआ है। दरअसल, ग्रेड थर्ड के ट्रांसफर शुरू करते ही प्रदेशभर के विधायकों की नाराजगी सरकार को मोल लेनी पड़ सकती है। वहीं हर बार की तरह इस बार भी लेक्चरर, प्रिंसिपल के ट्रांसफर पहली खेप में होंगे। किसी भी स्थिति में 25 जून से पहले कोई बड़ी लिस्ट जारी नहीं होगी। वहीं बड़ी सिफारिश वाले टीचर्स की इक्का दुक्का लिस्ट आ सकती है।

- लंबे समय से शहर में जमे टीचर्स को गांव की नौकरी करनी पड़ सकती है
- ट्रांसफर का सबसे बड़ा आधार क्षेत्र के कांग्रेस या फिर सरकार समर्थक विधायक की इच्छा होगी

कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित को शहरी क्षेत्र में ट्रांसफर दिया जाएगा। एक महिला या विधवा-परित्यक्ता को शहर में ट्रांसफर दिया जा सकता है। एक समय सीमा तय की जाएगी, उतने वर्ष की ग्रामीण सेवा होने पर ट्रांसफर किया जा सकता है। प्रतिबंधित जिलों से बाहर ट्रांसफर के लिए अलग से नियम हो सकते हैं। किसी भी महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में बिना इंटरव्यू ट्रांसफर नहीं होंगे। सिर्फ रिक्त पदों पर ही ट्रांसफर हो सकते हैं। अन्यथा वाइस वरसा करते हुए एक-दूसरे की जगह भेजा जा सकता है। लंबे समय से शहर में जमे टीचर्स को गांव की नौकरी करनी पड़ सकती है।

ट्रांसफर के लिए इस बार भी जयपुर में राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल परिसर में ट्रांसफर कैंप लग सकते हैं। हालांकि ये जगह अब सभी टीचर्स की नजर में होने के कारण ट्रांसफर कैंप की जगह बदलने की कवायद भी उच्च स्तर पर चल रही है। बीस जून से पहले शिक्षा निदेशालय के सेक्शन से कार्मिकों को जयपुर के लिए रवाना किया जा सकता है। फिलहाल इस संबंध में कोई निर्देश कार्मिकों को नहीं दिए गए हैं।

विभाग का प्रयास है कि एक जुलाई से शुरू हो रहे स्कूल्स के नए सेशन से पहले ट्रांसफर ऑर्डर जारी हो जाएं ताकि स्कूल खुलने तक संबंधित टीचर्स नई जगह पहुंच जाएं। हालांकि ये भी तय है कि जुलाई में भी ट्रांसफर होते रहेंगे। ऐसे में सरकारी स्कूलों में पहला महीना तबादलों की भेंट चढ़ ना तय है। शिक्षा मंत्री रहते हुए जिस तरह गोविन्द डोटासरा की पर्सनल टीम ने ट्रांसफर पर पूरी नजर रखी थी, उसी तरह डॉ. बी.डी. कल्ला की पर्सनल टीम भी ट्रांसफर प्रोसेस में शामिल रहेगी। ये टीम अभी ट्रांसफर के मार्गदर्शन तैयार करने में जुटी हुई है।

बारिश के मौसम में विद्युत तंत्र गड़बड़ाया: डिस्कॉम में इंजीनियरों की छुट्टियां रद्द

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में मानूसन का सीजन आरंभ हो गया है। मगर इस बीच विद्युत तंत्र भी गड़बड़ा गया है। बिजली व्यवस्था गड़बड़ाने पर अब समय पर ठीक होने के आसार कम ही नजर आ रहे हैं।

प्रदेश के सभी डिस्कॉम के जूनियर इंजीनियरों ने अपनी मांगों को लेकर टूल डाउन हड़ताल कर रखी है। अवकाश लेकर अधिकांश जूनियर इंजीनियर जयपुर में महापड़ाव डाल बैठे हैं। फील्ड में बिजली समस्याओं के समाधान का सारा दारोमदार जूनियर इंजीनियरों के कंधों पर ही रहता है। जोधपुर डिस्कॉम ने इनके अवकाश पर चले जाने के बाद अन्य सभी कर्मचारियों के अवकाश रद्द कर दिए है। सभी को मुख्यालय पर रहने का आदेश दिया गया है।

जोधपुर सिटी सर्किल में कल 76 में से चार जूनियर इंजीनियर ही काम पर थे। शेष सभी अवकाश पर रहे। वहीं जोधपुर डिस्कम के एमडी प्रमोद टाक का दावा है कि 780 में से 206 जूनियर इंजीनियर अभी भी काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आंदोलन कर रहे जूनियर इंजीनियरों की सरकार से वार्ता भी हुई है। इनकी पे स्केल से जुड़ा मसला वित्त विभाग से जुड़ा है। ऐसे में इस बारे में सरकार के स्तर पर फैसला हो सकता है।

- मांग को लेकर जूनियर इंजीनियर बैठे हैं हड़ताल पर

इस बीच बारिश में बढ़ गए फाल्ट:- जोधपुर डिस्कॉम के कार्य क्षेत्र वाले दस जिलों में सोमवार को अधिकांश स्थान पर प्री मानसून के बादल जमकर बरसे। ऐसे में उपभोक्ताओं की शिकायतों की बाढ़ आ गई। जूनियर इंजीनियरों के काम पर नहीं रहने के कारण शिकायतों का समाधान होने में काफी समय लग रहा है।

इंजीनियरों के अवकाश किए रद्द:- जोधपुर डिस्कॉम ने एक आदेश जारी कर अन्य सभी इंजीनियर्स से कहा है कि वे सभी अपने-अपने मुख्यालय पर मौजूद रहें। वहीं वे किसी तकनीकी कर्मचारी का अवकाश स्वीकृत नहीं करें। बिजली से जुड़ी किसी प्रकार की शिकायत आने पर प्राथमिकता के साथ उसका समाधान करवाएं।

सैनिक भर्ती की नई नीति युवाओं के लिए पीड़ा: जसोल

गुड़ामालानी, (कासं) । गुड़ामालानी मुख्यालय के डाक बंगले पर बाड़मेर जैसलमेर के पूर्व सांसद एवं वर्तमान सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल का बोर्ड अध्यक्ष बनने के बाद मंगलवार को पहली बार गुड़ामालानी विधानसभा पहुंचने पर जगह जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

डाक बंगले पर स्वागत समारोह कार्यक्रम में पूर्व मंत्री गफूर अहमद, धोरीमना पूर्व प्रधान ताजाराम चौधरी, पायला प्रधान चुन्नीलाल माचरा, भंवर हनुमंत सिंह राठौड, ब्लॉक अध्यक्ष पताराम चौधरी उपस्थित रहे। धोरीमन्ना एवं बांटा में भी स्वागत किया गया। मानवेंद्र सिंह जसोल ने कहा कि केंद्र सरकार ने जो अब सैनिक भर्ती की घोषणा की है वह देश एवं युवाओं के लिए दुखद परिणाम साबित होगी, क्योंकि सैनिक की नौकरी चार साल के लिए ही है। उसमें भी 46 सप्ताह की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसे में युवाओं के लिए यह भर्ती दुखद होगी। हमेशा क्षेत्र की जनता के लिए तत्पर रहे। मंच संचालन पंचायत समिति सदस्य संवदाराम बोस ने किया। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच दिनेश पी शर्मा, नाथाराम चौधरी बांटा, खुमाराम बैरड, सरपंच जवानाराम, नारायण सिंह, तेजसिंह, कांतिलाल सोनी, भोमाराम सहित कई जने उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक बीएल कुशवाह प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। धौलपुर से पूर्व विधायक रहे बीएल कुशवाह को भरतपुर में मथुरा गेट थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रियल एस्टेट कंपनी द्वारा किए गए गबन के मामले में अनेकों शिकायत दर्ज हुई थी। इसी तरह की एक शिकायत मथुरा गेट थाना पर भी दर्ज हुई थी जिसके चलते पूर्व विधायक बीएल कुशवाह को गिरफ्तार किया गया है। बीएल कुशवाह धौलपुर से भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाह के पति हैं।

बी एल कुशवाह धौलपुर से बसपा विधायक रह चुके हैं लेकिन उनकी रियल एस्टेट कंपनी ने बहुत बड़ा गबन किया था जिसमें करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ था। हजारों लोगों के रुपए हड़प लिए गए थे। शिकायत दर्ज होने के बाद बीएल कुशवाह को गिरफ्तार कर लिया गया था तभी से वह जेल में बंद है। बी एल कुशवाह के जेल जाने के बाद धौलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुआ था जिसमें बीएल कुशवाह की पत्नी शोभारानी कुशवाह को भाजपा का टिकट मिला था और वह चुनाव जीत गई थी।

मथुरा गेट थाना प्रभारी रामनाथ गुर्जर के मुताबिक धौलपुर से पूर्व विधायक बीएल कुशवाह के खिलाफ 2017 में शिकायत दर्ज हुई थी। उन्होंने एक रियल एस्टेट कंपनी खोल रखी थी जिसमें बड़ा गबन हुआ था। पुलिस ने बीएल कुशवाह को सेंट्रल जेल सेवर से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है और जांच जारी है।

पूर्व विधायक बीएल कुशवाह

- रियल एस्टेट कम्पनी में घोटाले के आरोप में जेल में बंद थे कुशवाह

गैंगरेप का आरोपी 15 साल बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा

मांडलगढ़, (निसं)। बिजौलिया कस्बे के वार्ड नंबर 5 के खटीक मोहल्ले में अपनी असली पहचान छुपा कर बीते 15 वर्षों से यहां रह रहे गैंग रेप के आरोपी को बिजौलिया पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। इस दौरान शातिर आरोपी बिजौलिया खनन क्षेत्र में मजदूरी और ट्रेक्टर चलाकर अपनी असली पहचान छुपाए पुलिस से लुकाछिपी कर रहा था। मोडक निवासी 40 वर्षीय मोस्ट वांटेड आरोपी रामकुमार पिता रामनारायण वैष्णव को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर कोटा स्पेशल पुलिस टीम के सुपुर्द किया।

बिजौलिया थाने के एएसआई ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि वर्ष 2008 में कोटा जिले के एक क्षेत्र में हुई गैंग रेप की घटना के बाद से आरोपी पहचान छुपाकर बिजोलिया कस्बे के किराए के मकान में रह रहा था। आरोपी ने अपना नाम पप्पू खानपुर-झालावाड़ निवासी बता रखा था। खनन क्षेत्र में ट्रैक्टर चलाकर छदम वेश में रह रहा था। 2008 में मोडक क्षेत्र में हुई गैंग रेप की वारदात में 3 आरोपी शामिल थे। 2 आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। मुखबीर की सूचना पर कोटा की स्पेशल पुलिस टीम के साथ बिजौलिया थाना पुलिस ने मिलकर आरोपी को बिजौलिया कस्बे के खटीक मोहल्ले से गिरफ्तार कर कोटा पुलिस के सुपुर्द किया हैं। आरोपी पर मोडक झालावाड़ पुलिस थाने में धारा 376 और एससीएसटी में वर्ष 2008 में मामला दर्ज दर्ज हुआ था। तब से पुलिस आरोपी की 15 साल से तलाश की जा रही थी।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की डिग्गी में डूबा सफाईकर्मी

हनुमानगढ़, (निसं.)। टाउन में घग्घर पुल के समीप सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की डिग्गी में मोटर ठीक करते समय सीवरेज गैस से बेहोश ठेका कर्मी को बचाने के लिए डिग्गी में उतरे नगर परिषद के एक सफाईकर्मी की डूबने से मौत हो गई। इसमें एक को डिग्गी में ही गिरने पर शोर सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने बाहर निकाल बचा लिया जिसे उपचार के लिए आईसीयू में भर्ती करवाया गया। खास बात है कि सीवरेज डिग्गी में गंदे पानी से गैस इतनी जहरीली थी कि हादसे की सूचना पाकर मौके पहुंची नगरपरिषद की सीएसआई प्रेमलता और एसआई जगदीश सिराव भी बेहोश हो गए जिनको उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। हालांकि प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई।

सुखदेव सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह वीरबंद ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा करण सिंह (24) नगर परिषद में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था, जिसकी एसटीपी पर ड्यूटी थी। सुबह करीब 8.30 बजे ओएंडएम प्रभारी ठेकेदार सतपाल भांभू ने उसे फोन कर बताया कि एसटीपी की डिग्गी में लगी मोटर खराब हो गई, जिसे ठेका कर्मी हरीश शर्मा निवासी सूरतगढ़ ठीक करने के लिए एसटीपी में गंदे पानी की डिग्गी में उतरा था। इस बीच गंदे पानी की गैस से दम घुटने से हरीश चक्कर खाकर वहीं गिर गया जबकि बाहर खड़े सतपाल ने शोर मचा दिया। सहायता के लिए उसका बेटा करण सिंह सीढ़ी से गंदे पानी की डिग्गी में उतरा तो वह भी बेहोश होकर वहीं गिर गया। श्रमिकों ने हरीश को बाहर निकाल लिया तभी मोटर चालू होने से डिग्गी में पानी भरने लगा और प्रवाह तेज होने से करण सिंह की डूबने से मौत हो गई।

एसटीपी पर सुरक्षा उपकरणों का पूरी तरह से अभाव नजर आया। हालत यह थी कि घटना के बाद डिग्गी में उतरने के लिए वहां कोई सुरक्षा उपकरण नजर नहीं आया। सूचना पाकर नगर परिषद एक्सईएन सुभाष बंसल, पार्षद सुमित रिणवां आदि मौके पर पहुंचे और परिषद की जेटिंग मशीनें और सुपर शकर मशीन मौके पर बुलाकर गंदे पानी की डिग्गी को खाली करवाया। रेस्क्यू टीम के आने से पहले नगरपरिषद के अनुबंधित चालक मलकीत सिंह ने हिम्मत दिखाते हुए डिग्गी में सीढ़ी के पास फंसे सफाई कर्मी करणसिंह को रस्सी के सहारे बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मृतक करण सिंह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। पेशे से ठेकेदार सुखदेव सिंह के एक पुत्र व एक पुत्री है। पुत्री की शादी हो चुकी है। करणसिंह का रिश्ता हाल ही में तय हुआ था और दो महीने बाद उसकी शादी होनी थी। एक-दो दिन में ही शादी की तारीख तय की जानी थी। घर में खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। घटना के बाद फफकते हुए मृतक के पिता सुखदेव सिंह उर्फ विक्की ने बताया कि उसका पुत्र करण कई बार ड्यूटी के लिए लेट हो जाता था तो मैं डांटते हुए कहता कि समय से ड्यूटी पर जाया कर। इसका असर भी हुआ और सोमवार सुबह वह जल्दी उठा और जाते समय बोला कि देखो पापा आज 5 मिनट पहले जा रहा हूं, क्या पता था कि 5 मिनट की यही जल्दी उसे मुझसे हमेशा के लिए दूर कर देगी।

भगवान जगन्नाथ स्वामी पन्द्रह दिन के लिये विश्राम पर गए

उदयपुर में भगवान जगन्नाथ स्वामी महास्नान कर 15 दिन के लिये बीमार होकर विश्राम में चले गये।

उदयपुर, (निस)। भगवान जगन्नाथ स्वामी महास्नान कर 15 दिन के लिये बीमार होकर विश्राम पर चले गये। महास्नान के अवसर पर भगवान जगन्नाथ स्वामी, बलभद्र और सुभद्रा जी को गंगाजल, इत्र, तुलसी, नारियल पानी और केसर से 108 घड़ों से स्नान कराया गया। भगवान 15 दिन के लिये औषधियुक्त काढ़े का सेवन करेंगे। समिति के संरक्षक डॉ. प्रदीप कुमावत ने बताया कि ये वेद के रूप है। जगन्नाथ-सामवेद, सुभ्रदा-युर्जेवेद, बलभद्र-ऋगवेद, सुदर्शन - अथर्ववेद के रूप है। वैदिक संस्कृति के अनुरूप स्नान कराते है। वेदों का पूरा सार इसमें समाहित है।

डॉ. कुमावत ने कहा कि वर्ष में 15 दिन हम अपने आन्तरिक रूपान्तरण के साथ-साथ शारीरिक रूपान्तरण के लिये भी हम अपने व्रत, उपवास और ध्यान के माध्यम से अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते है। यह संदेश भगवान जगन्नाथ आमजन को देते है। भगवान 15 दिन तक दर्शन नहीं देंगे। मंदिर से हटकर जो जगह है उसको अंसारा बोलते है वहाँ भगवान को स्थापित कर काढ़े का भोग लगाया जायेगा। पन्द्रह दिन बाद स्वस्थ होकर भगवान स्वयं भक्तों से मिलने नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस बारे उपनगरीय क्षेत्र में भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे। अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि भगवान को झूला झुलाते हुये मंदिर से बाहर लाया गया। सुदर्शनजी को 18 घड़ों, सुभद्रा जी को 22 घड़ों, बलराम जी को 33 घड़ों, व जगन्नाथ जी को 35 घड़ों से स्नान कराया गया। इस अवसर पर दिनेश मकवाना, रमेश लालवानी, हेमंत चौहान, कैलाश, कमलेन्द्र सिंह, शिव सिंह, धर्मेन्द्र, गिरिश, गोपाल सोनी आदि मौजूद रहे।

अभ्यर्थी करा सकेंगे प्राप्तांकों की री-टोटलिंग

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने विधि रचनाकार प्रतियोगी परीक्षा, 2021 के अभ्यर्थियों को प्राप्तांकों की पुन: गणना कराने का अवसर दिया है। इसके लिए अभ्यर्थी 15 से 24 जून 2022 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि विधि रचनाकार प्रतियोगी परीक्षा, 2021 के साक्षात्कार आयोजित कर 20 अप्रेल 2022 को परिणाम जारी किया गया था।

- ऑनलाइन की करना होगा आवेदन, प्रश्नों की संख्या अनुसार ऑनलाइन ही करना होगा भुगतान

नियमानुसार परीक्षा में प्राप्तांकों की पुन: गणना कराए जाने का अवसर अभ्यर्थियों को दिया जा रहा है। उत्तर पुस्तिकाओं में प्राप्त अंको की पुन: गणना के लिए आयोग की वेबसाइट पर एग्जाम डैशबोर्ड में उपलब्ध लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। प्राप्तांकों की पुन: गणना के लिए प्रति प्रश्न 25 रूपए की दर से शुल्क का ऑनलाइन ही भुगतान करना होगा। ऑफलाइन रूप से प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र एवं शुल्क स्वीकार्य नहीं होगा। उत्तर पुस्तिकाओं का पुन: परीक्षण किसी भी परिस्थिति में नहीं किया जाएगा।

हिण्डौन में आधा दर्जन वार्डों के सैंकड़ों लोग पानी के लिए टंकी पर चढ़े

छह वर्ष पूर्व बनी टंकी पाइप लाइन से नहीं जोड़ने के कारण पड़ी है नकारा

हिण्डौन सिटी, (कासं)। गत छह वर्ष पूर्व बनी पानी की टंकी से पेयजल आपूर्ति शुरू नही होने पर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 से 6 तक के आधा दर्जन वार्डों के सैकड़ों महिला-पुरुष और बच्चे मंगलवार को पानी की टंकी पर चढ़ गये और घंटों तक प्रशासन व नगर परिषद के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

नगर परिषद के वार्ड संख्या 1 के पार्षद हरभान सिंह व बार्ड संख्या 2 के पार्षद राजेंद्र शर्मा के नेतृत्व में 1 से लेकर 6 तक के आधा दर्जन वार्डों के सैकड़ों महिला और पुरुष मंगलवार को पानी की समस्या को लेकर वार्ड नंबर 3 में स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। इस दौरान पार्षद राजेंद्र शर्मा हरभान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर परिषद के वार्ड संख्या 1 से 6 तक के सभी वार्डों में सालों से पीने के पानी की समस्या चली आ रही है और लोग उपखंड प्रशासन और नगर परिषद प्रशासन से इस पेयजल संकट को दूर करने की मांग करते हुए आ रहे हैं।

जिसके बाद वर्ष 2016 में आधा दर्जन बार्डों की पेयजल आपूर्ति के लिए उच्च जलाशय का निर्माण भी कर दिया गया। जिसके बाद लोगों ने उम्मीद जताई कि अब हजारों परिवारों को पीने के लिए पानी नसीब हो जाएगा लेकिन टंकी बनने के 6 वर्ष बाद भी जलदाय विभाग की अधिकारियों की लापरवाही प्रशासन के अधिकारियों नगर परिषद की उदासीनता के चलते इस जलाशय को अब तक पाइप लाइन से नहीं जोड़ा गया है। इससे यह टंकी 6 वर्ष बाद भी नकारा पड़ी हुई है। इस भीषण गर्मी में लोगों को पानी की जरूरत बढ़ रही है। लोग पीने के पानी के लिए भटक रहे हैं। बताया जा रहा है कि लोग कई किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हो रहे हैं या निजी टैंकरों से पानी ले रहे हैं।

पानी की मांग को लेकर वार्डवासियों ने टंकी पर चढ़कर विरोध-प्रदर्शन किया।

आरक्षण की मांग को लेकर सैनी समाज के लोग तीसरे दिन भी नैशनल हाइवे 21 पर डटे रहे। मंगलवार की देर शाम वार्ता का दौर शुरु हुआ।

आरक्षण के लिए सैनी समाज के लोग तीसरे दिन भी भरतपुर हाईवे पर डटे रहे

नैशनल हाईवे 21 पर पिछले तीन दिनों से यातायात पूरी तरह से ठप्प पड़ा है

भरतपुर, 14 जून (निसं)। माली, सैनी, कुशवाहा, शाक्य और मौर्य समाज के लोग सरकारी नौकरियों में 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर आगरा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 के अरौदा गांव में पिछले तीन दिन से आंदोलन कर रहे हैं, जिससे इस राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप्प है।

मंगलवार की देरशाम को आंदोलनकारियों से वार्ता का दौर शुरू हुआ है। शाम को सैनी समाज एक 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आईजी ऑफिस पहुंचा। यहां संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, कलैक्टर आलोक रंजन, आईजी प्रसन्न खमेसरा और एसपी श्याम सिंह के साथ शुरुआती वार्ता चली। इस आंदोलन में रास्ता जाम करने आम लोगों को परेशानी में डालने, यातायात अवरूद्ध करने के संबंध में पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज किए जाने की भी चर्चा है।

दूसरी तरफ संभागीय आयुक्त सांवर मल वर्मा ने भरतपुर के चार कस्बों नदबई, वैर, भुसावर और उच्चैन

- **आरक्षण की मांग को लेकर माली, सैनी, कुशवाहा, शाक्य और मौर्य समाज के लोग गत तीन दिनों से एन.एच. 21 पर धरने पर बैठे हैं।**
- **भरतपुर के चार कस्बों में इन्टरनैट बुधवार सुबह 11 बजे तक बंद रहेगा।**

तहसीलों में इंटरनेट सेवा बंद को अगले 24 घंटों के लिए बढ़ा दिया है। अब बुधवार सुबह 11 बजे तक इंटरनेट बंद रहेगा। मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने कहा कि समाज के लोग यहां आएं और वार्ता करें, ताकि हाइवे खुले और लोगों को राहत मिल सके और आपकी बात भी सरकार तक पहुंच सके।

राजस्थान के भरतपुर जिले में सैनी माली कुशवाहा मौर्य शाक्य समाज का 12प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर 3 दिन से आंदोलन जारी है। आन्दोलन कर रहे लोगों ने नेशनल हाईवे नम्बर 21 आगरा - जयपुर पर नदबई तहसील के अरौदा गांव के पास चक्का जाम किया हुआ है। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह 2 दिन से आंदोलन कर रहे नेताओं से वार्ता करने के लिए बैठे हुए हैं । नेताओं को वार्ता के लिए न्योता भी भेजा है। आंदोलनकारियों ने वार्ता के लिये 31 सदस्यों की लिस्ट प्रशासन को भेजी है।

मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आंदोलन से आमजन परेशान हो रहा है । भीषण गर्मी पड़ रही है तापमान 45 डिग्री के बीच चल रहा है । आंदोलन स्थल पर बुजुर्ग और महिलाएं बैठी हुई हैं यदि कोई अप्रिय घटना हुई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। विश्वेन्द्र सिंह ने आंदोलनकारियों से अपील की है उनके नेता वार्ता के लिए सामने आए जिससे उनकी मांग को ऊपर तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि "मुझे तो फिलहाल ऐसा लगता है कि इस आंदोलन का कोई नेता भी नहीं है।"

डोटासरा सहित कई कांग्रेसी नेताओं को दिल्ली बॉर्डर पर पुलिस ने हिरासत में लिया

डोटासरा से बोली दिल्ली पुलिस-आज के दिन आप आपातकाल ही समझें

जयपुर, 14 जून (का.प्र.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से लगातार दो दिन से हो रही ई.डी. की पूछताछ के विरोध में कांग्रेस का सत्याग्रह मंगलवार को भी जारी रहा। सोमवार को जहां सभी राज्यों में ईडी की कार्यवाही के खिलाफ धरने-प्रदर्शन हुए, वहीं मंगलवार को प्रदेशों के नेताओं सहित पदाधिकारी और विधायक दिल्ली की ओर कूच कर गए। राजस्थान से भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई मंत्री- विधायक दिल्ली रवाना हुए, लेकिन इन सभी को पुलिस ने हरियाणा बॉर्डर पर ही रोक लिया। सभी नेताओं को शाम तक पुलिस ने अलग-अलग थानों में रोके रखा और शाम को सबको छोड़ दिया। हालांकि सोमवार रात को ही जयपुर से जाने वाले कई नेता अलग-अलग रास्तों से एआईसीसी मुख्यालय तक भी पहुंच गए।

मंगलवार सुबह राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और कुछ पदाधिकारी जैसे ही हरियाणा बॉर्डर पार करके दिल्ली बॉर्डर पर पहुंचे तो वसंत कुंज पुलिस ने उन्हें वहीं रोक लिया और स्पष्ट रूप से कहा कि आगे नहीं जाने देने के आदेश है। यहां पर पुलिस के साथ में डोटासरा की बहस भी हुई, लेकिन पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी और बाद में उन्हें अज्ञात जगह रखने के बाद शाम को छोड़ दिया गया। यहां से फ्री होने के बाद डोटासरा सीधे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पहुंच गए।

डोटासरा ने कहा कि "इस देश में अघोषित आपातकाल चल रहा है। दिल्ली में राजस्थान के लोगों को आने-जाने नहीं दिया जा रहा। राहुल गांधी के साथ जिस तरह का बर्ताव किया जा रहा है। वह देश देख रहा है। आज तो हद हो गई। जब हम दिल्ली आ रहे थे, तो हमें बॉर्डर पर रोककर यह कहा कि आपके लिए आपातकाल है। आज के दिन आप आपातकाल ही समझें। किसी भी कीमत पर दिल्ली में एंट्री नहीं करने देने के आदेश मिले हैं। पुलिस ने हमें रोककर गाड़ियों में अपने साथ ले गई और हमें वसंतकुंज थाने के पास अज्ञात जगह पुलिस पहरे में रखा गया। ऐसी निर्दयी सरकार अंग्रेजों से भी ज्यादा जुल्म कर रही है। इसका खात्मा जरूरी है।" उन्होंने कहा "मैं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील करना चाहूंगा कि समय आ गया है कि ऐसे जुल्मियों को 2024 में सत्ता से हटाना है। राहुल गांधी ना डरे हैं ना घबराए हैं। सत्य हमेशा जीता है। बीजेपी और मोदी का षड्यंत्र जरूर हारेगा।"

- **राजस्थान से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा सहित कई मंत्री व विधायक दिल्ली रवाना हुए, जिन्हें हरियाणा बॉर्डर पर ही पुलिस ने रोक लिया।**
- **सभी नेताओं को अलग-अलग थानों में रखा गया और शाम को छोड़ दिया गया, सभी फिर अलग-अलग रास्तों से ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पहुंचे।**

डोटासरा के साथ जाने वाले अन्य पदाधिकारियों को भी वसंत कुंज थाना पुलिस ने रोककर कहा हम पूरी रात से हाईवे पर आपका ही इंतजार कर रहे हैं। बहस के दौरान जब डोटासरा ने कहा कि क्या वह निजी काम से दिल्ली नहीं जा सकते? तो पुलिस ने कहा सारे अधिकारों की बात थाने में जाकर करेंगे। इसके बाद कांग्रेस नेताओं को वसंतकुंज थाने की बिल्डिंग में ही अलग-अलग कमरों में बैठाए रखा गया। यहां थाने की बिल्डिंग टैंट लगाया हुआ था, जिसमें भी कुछ कांग्रेसियों को रखा गया था। थाने में घुसने के बाद किसी भी नेता या कार्यकर्ता को पुलिस ने देर शाम तक बाहर नहीं जाने दिया।

बताया जाता है कि यहीं पर राजस्थान के पदाधिकारियों के अलावा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, सेवादल अध्यक्ष लालजी देसाई, एनएसयूआई अध्यक्ष नीरज कुंदन, एआईसीसी सेक्रेट्री बीएन संदीप, ओबीसी विभाग के अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव, देशराज मीणा, जसवंत गुर्जर भी थे।

सुप्रीम कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं तथा अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के आंदोलनकारियों का पीछा करके, पुलिस उन्हें पीट रही है।

पत्र-याचिका कहती है, "सरकार द्वारा कानून के शासन तथा नागरिकां के अधिकारों के उल्लंघन के ऐसे अस्वीकार्य हनन एवं विनाश द्वारा नृशंसता का यह प्रदर्शन संविधान तथा गारंटीयुक्त मौलिक अधिकारों का मजाक उड़ाने के समान है।

पुलिस तथा विकास अधिकारियों ने मिलकर जिस तरह से यह कार्यवाही की है, उसका स्पष्ट सार यह है कि मकान गिराया जाना सामूहिक अतिरिक्त - न्यायिक दंड का एक रूप है, जिसकी उत्तरदायी राज्य सरकार की नीति है, जो गैर कानूनी है। पत्र में यह कहते हुए, कि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में माइग्रैंट मज़दूरों और पैगसस केस पर स्वत: संज्ञान लिया था, आग्रह किया गया कि सुप्रीम कोर्ट को उत्तर प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी स्वत: संज्ञान लेना चाहिए।

पवार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास 300 से अधिक सांसद हैं तो (राष्ट्रपति) चुनाव का नतीजा क्या होगा- मैं जानता हूँ। मै राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं बनूँगा।

उसके ठीक एक साल बाद, इस समय जब उनके विपक्ष का उम्मीदवार बनने पर चर्चा जोर पकड़ रही है लेकिन चुनाव-प्रक्रिया का मंच अभी तैयार हो रहा है तथा पवार, अपनी आदत एवं उसूल के अनुरुप, स्थिति को ध्यान से देख रहे हैं तथा उसका आँकलन कर रहे हैं। एन.सी.पी. प्रमुख की व्यवहारवादी राजनीति तथा उनके सुधार-समर्थक एजेण्डा ने उन्हें संपूर्ण देश के पूरे राजनैतिक परिदृश्य के सम्मान एवं आदर का पात्र बनाया है। यहाँ तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उन्हें अपना "राजनैतिक गुरु" कहते हैं।

पवार ने अपनी सुदीर्घ राजनैतिक यात्रा में कई मील के पत्थर स्थापित किये हैं। वे सबसे पहले 1967 में बारामती विधानसभा क्षेत्र से महाराष्ट्र विधानसभा के लिये निर्वाचित हुये। वे 1978 तक राज्य सरकार में निरन्तर मंत्री बनते रहे तथा 1978 में उन्होंने पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री का पदभार (1978 से 1980 तक) ग्रहण किया। वे दो बार और (1983-91 तथा 1993-95) मुख्यमंत्री रहे। वे छ: बार लोकसभा सदस्य चुने जा चुके हैं तथा कई बार केन्द्रीय मंत्री रहते हुये विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों, जिनमें रक्षा एवं कृषि भी शामिल हैं, को संभाल चुके हैं।

1999 तक कांग्रेस के कद्दावर नेता रहने के बाद, वे 1999 में उस समय वे पार्टी से अलग हो गये तथा पार्टी के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठा लिया, जब पार्टी ने इटली में जन्मीं सोनिया गांधी को पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में प्रोजैक्ट किया। वे कांग्रेस से निष्कासित कर दिये गये तथा इसके बाद उन्होंने अपनी स्वयं की पार्टी एन.सी.पी. बना ली।

लेकिन उनके राजनैतिक व्यवहारवाद तथा उनकी चतुराई ने सदैव ही उनकी राजनीति को परिभाषित एवं रेखांकित किया है।

इसलिये, कांग्रेस से अलग हो जाने के बाद भी एन.सी.पी. ने गठबंधन सरकारें बनाने के लिये सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया- पहले महाराष्ट्र में तथा उसके बाद केन्द्र में। उनका राजनैतिक व्यवहारवाद नवम्बर 2019 में उस समय एक बार पुन: खुलकर सामने आया, जब शिवसेना के साथ अपने सैद्धान्तिक मतभेदों को भूलकर, उन्होंने एम.वी.ए. सरकार के गठन में मास्टरमाइन्ड की भूमिका अदा करते हुये, एन.सी.पी., कांग्रेस एवं शिवसेना का असंभावित प्रतीत होने वाला गठबंधन खड़ा कर दिया।

दूसरे दिन भी ई.डी. द्वारा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोशिश करने वाले कांग्रेस नेताओं को पकड़ा जा सके।

बड़ी संख्या में आए कांग्रेस नेता जो ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर राहुल के साथ सत्याग्रह के रूप में धरने पर बैठने के बाद उनके साथ ई.डी. के मुख्यालय पर आए थे, की पुलिस ने पिटाई की और सी.आर.पी.सी. की धारा 144 का उल्लंघन करने को लेकर उन्हें राजधानी के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया। कांग्रेस ने धरने में प्रण लिया था कि वह गिरफ्तारियों और उसके शीर्ष नेताओं के खिलाफ बनाए गए झूठे केसों की भयभीत चालबाजियों के आगे नहीं झुकेगी।

राहुल अपनी बहन एवं ए.आई.सी.सी. महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ आए थे। पुलिस ने प्रियंका को छोड़ दिया क्योंकि वह अपने सिक्योरिटी कवर के साथ थीं, जबकि गिरफ्तार किए गए नेताओं में दो मुख्यमंत्री राजस्थान के अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल शामिल थे।

पूर्व केन्द्रीय गृह एवं वित्त मंत्री पी. चिदंबरम, जो कि पुलिस की हाथापाई में सोमवार को घायल हो गये थे, मंगलवार को विरोध स्थल पर पुन: लौट आए। हालांकि पुलिस ने सोमवार को उन पर बल प्रयोग किए जाने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कानून के दुरूपयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। यदि ई.डी. कानून की अनुपालना करता है तो हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वह कानून की पालना नहीं कर रहा है। काले धन को वैध करने के केस में पी.एम.एल.ए. (प्रिवैन्शन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट) जबरन लगाया जा रहा है।"

उन्होंने कहा कि पी.एम.एल.ए. कानून के तहत कोई केस दर्ज करने के बाद ही जांच कार्यवाही शुरू की जा सकती है। उनके सहज प्रश्न थे: "निर्धारित अपराध क्या है। इसका कोई उत्तर नहीं है। कौनसी पुलिस एजेंसी ने एफ.आई.आर. दर्ज की है? इसका भी उत्तर नहीं है। हमने एफ.आई.आर. की कॉपी मांगी। कोई उत्तर नहीं।"

चिदंबरम ने कहा कि "निर्धारित अपराध और एफ.आई.आर. के बिना पी.एम.एल.ए. के तहत ई.डी. की जांच का सवाल ही नहीं है? स्पष्ट रूप से, वे कानून की अनुपालना नहीं कर रहे हैं, और एक लोकतंत्र में हम विरोध प्रदर्शन का हक रखते हैं।"

उन्होंने कहा कि ई.डी. ने इसी प्रकार कांग्रेस के सीनियर नेता एवं ए.आई.सी.सी. कोषाध्यक्ष पवन बंसल से एसोसिएटेड जर्नल्स के चेयरमैन के रूप में और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से यंग इण्डिया लिमिटेड के एक ट्रस्टी के रूप में अप्रैल माह में पूछताछ की थी, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई।

तथापि, ई.डी. सूत्रों का कहना है कि चिदंबरम की बात गलत है क्योंकि यंग इण्डिया के विरूद्ध इन्कम टैक्स की एक जांच में दिल्ली की एक निचली अदालत द्वारा प्रसंज्ञान लेने के बाद ही ई.डी. ने सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ पी.एम.एल.ए. के आपराधिक प्रावधानों के तहत केस दर्ज किया था। दिसंबर 2015 में जब कोर्ट ने यह आशंका जतायी कि ये लोग देश छोड़कर भाग जाएंगे तब सोनिया और राहुल, प्रत्येक ने 50 हजार रूपए का व्यक्तिगत बॉण्ड और मुचलका देकर अपनी जमानत कराई थी।

मंगलवार को दूसरे दिन गिरफ्तार किए गए सभी कांग्रेसी नेताओं की जुबान पर "राजनीतिक प्रतिशोध" के आरोप हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि केन्द्र सरकार जब तक अत्याचार करती रहेगी विरोध तब तक जारी रहेगा। उन्होंने केन्द्र की भाजपा सरकार को चुनौती दी कि पिछले आठ सालों में यदि किसी भाजपा समर्थित नेता के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई हो तो वह बताए। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग विपक्षी पार्टियां छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, केन्द्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ मामले तक ड्राप किए हैं।

बघेल ने कहा कि कांग्रेस ने एसोसिएटेड जर्नल्स को 90 करोड़ रूपयों का ऋण दिया था जिससे कि वह नैशनल हैरल्ड अखबार का एक संस्थान के रूप में अस्तित्व बरकरार रख सके और इसे काले धन को वैध करने की संज्ञा नहीं दी जा सकती।

उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि "एक रूपए तक का लेनदेन नहीं किया गया है। सिर्फ एक व्यापार की पुनर्संरचना की गई और ऐतिहासिक अखबार को जीवित रखने के लिए शेयर जारी किए गए थे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गांधी परिवार के खिलाफ ई.डी. जांच पर सवाल उठाए और प्रधानमंत्री मोदी के लिए कहा कि वह इस प्रतिशोधी राजनीति को बंद करे और विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के बजाए सुशासन पर ध्यान केन्द्रित करे। दोनों मुख्यमंत्री गिरफ्तार किए गए लोगों में शामिल थे।

गिरफ्तार किए गए अन्य नेताओं में रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, गौरव गोगोई, दीपेन्द्र सिंह हूडा, रनजीत रंजन, जे.बी. माथर, इमरान प्रतापगढ़ी, यूथ कांग्रेस के प्रमुख बी.बी. श्रीनिवास और नैशनल स्टूडैन्ट्स यूनियन ऑफ इण्डिया (एन.एस.यू.आई.) के प्रमुख नीरज कुन्दन शामिल हैं। इनमें से अधिकांश नेताओं को विरोध "सत्याग्रह" के पहले दिन सोमवार को भी गिरफ्तार किया गया था।

बालिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा एएसआई मदनलाल सहित पुलिसकर्मी गांव पहुंचे तथा आरोपी की तलाश शुरु की।

बजरी माफिया ने पुलिस पर हमला कर बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली छुड़ाई

मालपुरा, 14 जून (निसं)। सोमवार की शाम को पचेवर थाना क्षेत्र के ईटाखोई की ओर से नगर की ओर आ रहे अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को पचेवर थाना पुलिस टीम ने पकड़ने की कोशिश की तो बजरी माफिया पुलिस पर हमला कर ट्रैक्टर-ट्रॉली को छुड़ा ले भागे।

मामले में मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की देर शाम को पचेवर थाना पुलिस को अवैध बजरी परिवहन की सूचना मिली। इस पर पुलिस गश्ती दल ने ईटाखोई से नगर की ओर आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को नाकाबंदी कर रोकने का प्रयास किया तो चालक पुलिस टीम को देख ट्रैक्टर से चाबी निकाल कर जंगल में भाग गया। पुलिस टीम जब ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर थाने जाने लगी तो कुछ ही देर बाद 15-20 लोग मोटर साइकिलों पर आए और उन्होंने बीच रास्ते में पुलिस जवानों को घेर लिया, जिससे पुलिस व उनके बीच झड़प भी हुई। इस दौरान बजरी माफियाओं ने पुलिस जवानों से मारपीट कर ट्रैक्टर छुड़ा लिया और उनकी जेब में रूपये डालकर जबरन वीडियो बना लिया। उन्होंने वीडियो के वायरल करने की धमकी दी। जवानों ने थाने पहुंच सम्पूर्ण घटनाक्रम को थानाधिकारी रतन सिंह को अवगत करवाया। जिस पर थानाधिकारी ने राजकार्य में बाधा डालने की विभिन्न धाराओं में 15 से 20 लोगों के विरूद्ध मामला दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दी।

- **अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ने के लिए पुलिस ने नाकाबंदी की, जिसे देखकर ट्रैक्टर चालक भाग निकला।**
- **बाद में जब पुलिस ट्रैक्टर को थाने ले जा रही थी तब 15-20 लोगों ने पुलिस टीम पर हमला किया और ट्रैक्टर ले गए, इतना ही नहीं, पुलिस जवानों की जेब में जबरन पैसे रखकर वीडियो भी बनाया।**

'राष्ट्रपति चुनाव में ममता के सुझाये नाम का समर्थन करेगी सपा'

अयोध्या, 14 जून (वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि राष्ट्रपति के चुनाव में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जो नाम तय करेंगी, उनकी पार्टी उसका समर्थन करेगी।

यादव ने मंगलवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राष्ट्रपति के चुनाव में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिस नाम का प्रस्ताव रखेंगी, समाजवादी पार्टी उसी का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दस लाख नौकरी देने की बात कही है, लेकिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपना संकल्प पत्र तो देखे कि जिसमें 70 लाख नौकरी देने का वादा किया था, उसका क्या हुआ। केन्द्र सरकार ने एलआईसी, बैंक, एयर लाइन, तेल कम्पनी समेत तमाम सरकारी कम्पनियां बेच दी हैं। अब रेलवे को बेचने की तैयारी है। जब ये सब सरकार बेंच दे रही है तो नौकरी सरकार कहां से देगी।

- **समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सर्किट हाउस में पत्रकारों को संबोधित किया ।**

सपा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा का सत्र खत्म हुआ। सरकार ने कहा था कि इस बार का बजट बहुत अच्छा है तो वह बतायें कि अगर अच्छा बजट है तो किसान, व्यापारी क्यों परेशान हैं। आज प्रदेश का हर आम नागरिक महंगाई से परेशान है।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके

श्रीनगर, 14 जून(वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में मंगलवार को मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गयी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी।

केन्द्र ने बताया कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के बदख्शन प्रांत में 36.52 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 71.18 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था और भूकंप के झटके कुछ ही सेकेंड के लिए महसूस किए गए।

सेनाओं में 'भर्ती किये जायेंगे "अग्निवीर"

नई दिल्ली 14 जून (वार्ता)। सरकार ने तीनों सेनाओं में जवानों की भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए एक नयी योजना अग्निपथ के जरिये केवल चार वर्ष के लिए अग्निवीरों की भर्ती करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति में इस निर्णय को मंजूरी दी गयी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में तीनों सेनाओं के प्रमुखों की मौजूदगी में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब तीनों सेनाओं में अग्निपथ योजना के तहत ही जवानों यानी अग्निवीरों की भर्ती की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सेनाओं को चुस्त दुरूस्त, युवा तथा जोश और उत्साह से परिपूर्ण बनाना है। इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था तो मजबूत होगा, साथ ही इसके जरिये युवाओं को देश सेवा करने का मौका मिलेगा और उनमें देशप्रेम की भावना भी पैदा होगी।

- **सरकार ने तीनों सेनाओं में जवानों की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव करते हुए केवल चार वर्ष के लिए अग्निवीरों की भर्ती करने का निर्णय लिया ।**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं को गौरवपूर्ण भविष्य तथा सशस्त्र बलों से जुड़कर राष्ट्रसेवा का अवसर देने के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया है। शाह ने ट्वीट कर कहा कि मोदी ने युवाओं को गौरवपूर्ण भविष्य व सशस्त्र बलों से जुड़ राष्ट्रसेवा का अवसर देने के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा की है। इससे उनमें क्षमताओं व कौशल का निर्माण होगा, साथ ही देश का रक्षातंत्र और सशक्त होगा। इस निर्णय पर प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन करता हूँ। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना एक क्रांतिकारी पहल है।

विपक्ष के खेमे में एकता से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते, इस प्रकार की स्थिति सदैव ही नेतृत्व प्रदान करती आई है।

वामदलों ने कहा है कि 15 जुलाई का दिन शरद पवार के साथ कांग्रेस अध्यक्ष तथा वामदलों की बातचीत के लिये पहले ही निर्धारित हो चुका था।

वामपंथियों का तृणमूल कांग्रेस के प्रति, तथा खासतौर से ममता बनर्जी के प्रति मनमुटाव तथा वैमनस्य है तथ वे एक विपक्षी नेता के रूप में, उन (ममता) पर जरा भी भरोसा एवं विश्वास नहीं करते। ममता-शासित बंगाल में दोनों ही वामपंथी दलों को बहुत कुछ झेलना पड़ रहा है तथा वे विरोध या आंदोलन करने की स्थिति में भी नहीं रहे हैं।

मूल बात यह है कि ममता बनर्जी के विरोध के लिये, विपक्ष के सर्वसम्मत उम्मीदवार के मुद्दे पर अन्य सभी दलों पर बढ़त बनाने की हताशापूर्ण एवं अवांछित कोशिश कर रही हैं। जबकि, अपना दबदबा बनाने की खातिर, कांग्रेस से छिटक रहे लोगों को अपनी पार्टी में शामिल करने की उनकी भूमिका के चलते, ममता बनर्जी स्वयं ही एक संदिग्ध व्यक्तित्व बन गई हैं।

उन्हें अन्दर तक जानने वाले लोग उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखते हैं, जो अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं की खातिर, विपक्ष की एकता को नष्ट कर सकती हैं। यही वजह है कि अभी हाल ही हुये चुनावों में, पश्चिम बंगाल के बाहर सीटें जीत पाने में रही उनकी घोर असफलता ने उनकी महत्वाकांक्षाओं का ध्वस्त कर दिया था।

लेकिन वे आसानी से मानने वाली भी नहीं हैं। ममता बनर्जी ने चुनिन्दा नेताओं के साथ व्यक्तिगत स्तर पर विचार-विमर्श शुरु कर दिया है। मंगलवार को, उन्होंने नैशनल कांग्रेस प्रमुख शरद पवार के साथ मीटिंग की थी। जहाँ तक राष्ट्रपति चुनाव के गणित का प्रश्न है, कुछ चीजें भाजपा के पक्ष में हैं, हालाँकि यह कहा जा रहा है कि स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के लिहाज से उनके पास कुछ वोट कम हैं। लेकिन ओडिशा के बीजू जनता दल तथा दक्षिण की कुछ अन्य पार्टियों की अपेक्षित सहानुभूति के बल पर, भाजपा इस चुनाव को आराम से जीत सकती है।

पिछले रिकॉर्डों तथा राज्य-स्तरीय गणित को देखा जाये, इस समय किसी भी पक्ष में जाने की स्थिति में बैठे लोग, कुछ उपादेय सौदेबाजी के फलस्वरूप, सत्तारूढ़ दल की ओर चले जायेंगे। राष्ट्रपति चुनाव बहुत तेजी से व्यावसायिक एवं लेन-देन का सौदा बनता जा रहा है। विपक्षी एकता थोथे शब्दों तक सीमित रह जायेगी।

- **इन दोनों नेताओं का यह भी मानना है कि, विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण, यह बैठक बुलाना व विपक्ष का सर्वसम्मत उम्मीदवार तय करना, कांग्रेस की जिम्मेवारी है।**
- **इन वामपंथी नेताओं के अनुसार, कांग्रेस की अध्यक्ष व उनकी पार्टी के नेता इस संदर्भ में 15 तारीख को शरद पवार से वैसे भी मिल रहे हैं।**

सीजीएसटी के दो अधिकारी चार लाख रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर, 14 जून (निसं)। अलवर केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर सीजीएसटी के दो अधिकारियों को भरतपुर एसीबी के एएसपी महेश मीणा की टीम ने ट्रेप कर ऑयल मिल के मालिक से ली 4 लाख की रिश्वत को जब्त कर गिरफ्तार किया । ये राशि अधिकारी धनराज अधीक्षक व विनय इंस्पेक्टर ने फर्जी स्टॉक बताकर ऑयल मिल के मालिक से मांगी थी।

एएसपी महेश मीणा ने बताया कि दोनों अधिकारी भरतपुर के रीको इंड्रस्टीज एरिया में एक ऑयल मिल पर फर्जी स्टॉक बताकर ऑयल मिल मालिक से 10 लाख रुपये की डिमांड कर रहे थे। 4 लाख में सौदा हुआ, ऑयल मिल के मालिक ने इसकी शिकायत की और उन्हें अलवर जाते समय गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार धनराज कुमावत सुपरिटेंडेंट, दूसरा आरोपी विनय यादव आज दोनों भरतपुर के रीको इंडस्ट्रीज एरिया में स्थित एक ऑयल मिल पर पहुंचे और ऑइल मिल का स्टॉक चेक किया। तब दोनों आरोपियों ने ऑयल मिल मालिक को बताया की उन्होंने 9 करोड़ का फर्जी स्टॉक कर रखा है। दोनों अधिकारियों ने ऑयल मिल मालिक को डरा धमका कर उससे 10 लाख की रिश्वत की मांग की।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी टीम मौके पर पहुंची और आरोपी अधिकारियों की गाड़ी को रीको के पम्प पर रोक लिया और उसे चेक किया तो गाड़ी में 4 लाख रुपये रखे हुए थे जिस पर दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। परिवादी ने अपना नाम गोपनीय रखा है।

- **सी.जी.एस.टी. के सुपरिन्टैन्डैंट धनराज कुमावत और इंस्पैक्टर विनय यादव ने रीको इण्डस्ट्रीज की एक ऑयल मिल के मालिक से डरा धमका कर 4 लाख रू. की रिश्वत ली।**
- **उन्होंने मिल में 9 करोड़ रू. का फर्जी स्टॉक होने का झूठा आरोप लगाया और दस लाख रू. मांगे, बाद में 4 लाख रू. में सौदा तय हुआ।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

360 View Camera

Head Up Display

22.86cm SmartPlay Pro+

6 Airbags

In-built Suzuki Connect

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

Contact us at
1800-200-6392
1800-102-NEXA
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*T&C apply. Offers may vary across variants. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time. Smart Finance available only in select cities.